हरियाणा सहकारी प्रकाश

Haryana Sahkari Parkash

(हरकोफैड)

Publication Date 01.08.2026
Postal Registration No. G/CHD/0096/2024-26
Registrar of Newspapers of India
Regd. No. 46809/70 I Total Pages 32
Posted at MBU Chandigarh 1st of Every Month

वर्ष : 57 / अंक 08 / 1 अगस्त, 2026 / वार्षिक मूल्य : रु 500 / प्रति कापी : रु 50

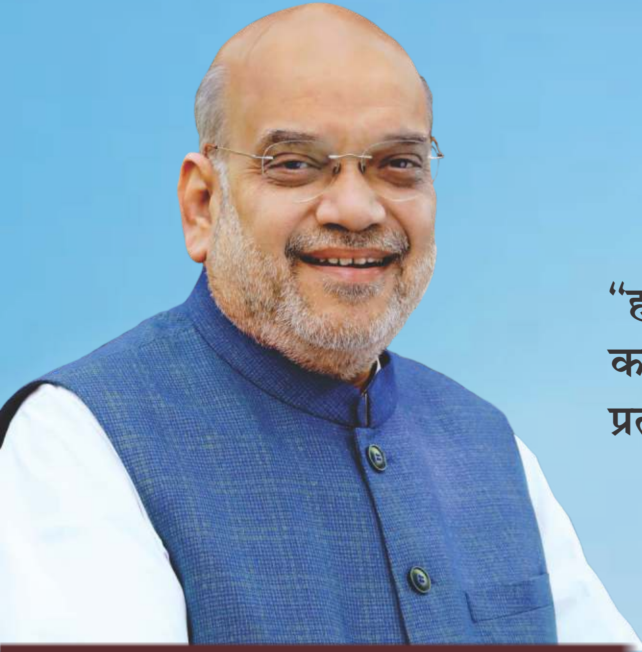

"हमारा लक्ष्य 'सहकार से समृद्धि' के संकल्प को साकार करना है, ताकि सहकारिता के लाभ, प्रत्येक किसान, प्रत्येक गाँव और प्रत्येक परिवार तक पहुँच सकें।"

श्री अमित शाह

माननीय केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री

"सहकारिता भारतीय संस्कृति का वह जीवन-दर्शन है, जो 'सबका साथ, सबका विकास' की भावना को व्यवहार में बदलता है। सहकारिता मंत्रालय के पाँच वर्ष पूर्ण होने का यह अवसर केवल उपलब्धियों का उत्सव नहीं, बल्कि ग्रामीण समृद्धि, किसान सशक्तिकरण और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को और दृढ़ करने का अवसर भी है। मेरा विश्वास है कि हरियाणा की सहकारी संस्थाएँ नवाचार, पारदर्शिता और जनभागीदारी के माध्यम से 'सहकार से समृद्धि' के राष्ट्रीय अभियान को नई ऊँचाइयों तक पहुंचाएंगी।"

श्री नायब सिंह सैनी

माननीय मुख्यमंत्री, हरियाणा

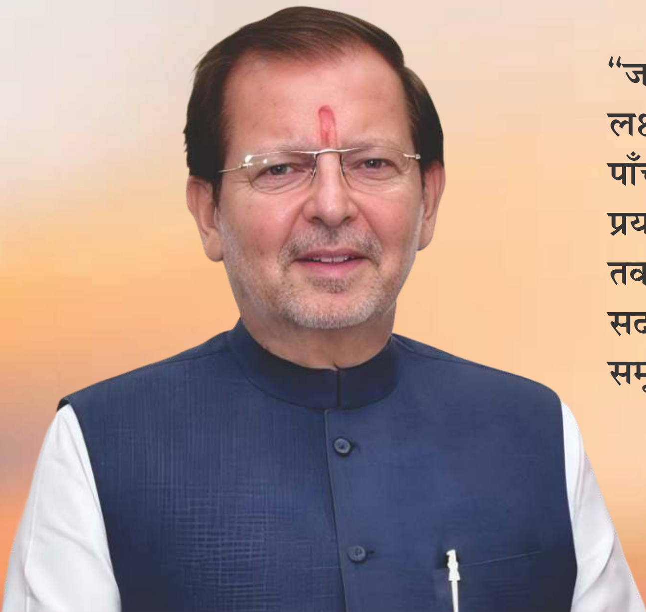

"जब समाज सहयोग को अपनी शक्ति बना लेता है, तब विकास केवल लक्ष्य नहीं, बल्कि जन-आंदोलन बन जाता है। सहकारिता मंत्रालय के पाँच वर्ष इस परिवर्तनकारी यात्रा के सशक्त साक्षी हैं। हरियाणा में हमारा प्रयास है कि प्रत्येक सहकारी संस्था विश्वास, पारदर्शिता और आधुनिक तकनीक के आधार पर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे तथा प्रत्येक सदस्य को विकास का समान अवसर प्रदान करे। यही 'सहकार से समृद्धि' का वास्तविक स्वरूप है।"

डॉ. अरविंद कुमार शर्मा

माननीय सहकारिता मंत्री, हरियाणा सरकार

जींद में देश की पहली हाइड्रोजन रेल को हरी झंडी दिखाते माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी-स्वच्छ ऊर्जा, आधुनिक तकनीक और विकसित भारत की नई यात्रा का शुभारंभ।

जींद में आयोजित विशाल जनसभा के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का अभिवादन करते हरियाणा के सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा।

दिनांक 23.07.2026 को चौधरी देवी लाल यूनिवर्सिटी सिरसा में 77वें जिला स्तरीय वन महोत्सव अभियान के तहत विश्वविद्यालय के सभागार हाल के प्रांगण में डबवाली में वीटा दुग्ध चिलिंग सेंटर का लोकार्पण करते माननीय मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी एवं साथ में डेयरीफैड के चेयरमैन श्री राम अवतार गर्ग। 3 करोड़ 30 लाख रुपये की राशि खर्च की गई। इस चिलिंग सेंटर की प्रतिदिन की क्षमता 20 हजार लीटर दूध भंडारण की है। इस केंद्र से डबवाली के 35 से अधिक गांवों के दुग्ध उत्पादकों को लाभ होगा।

10 जुलाई 2026 को यादविंद्र गार्डन, पिंजौर में 33वें मैंगो मेले के शुभारंभ अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी का स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मान करते हरियाणा के सहकारिता एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा एवं कृषि मंत्री श्री श्याम सिंह राणा।

हरियाणा सहकारी प्रकाश

मुख्य संरक्षक
पंकज यादव, भा.प्र.से.
प्रधान सचिव
सहकारिता विभाग, हरियाणा

संरक्षक
डॉ. सुमिता ढाका, भा.प्र.से.
रजिस्ट्रार सहकारी समितियां,
हरियाणा

मुख्य सम्पादक
नरेश गोयल
प्रबन्ध निदेशक, हरकोफैड

सम्पादक
सौरव अत्री

सुविचार

हमेशा सकारात्मक सोचो और अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित रखो

–सुभाष चंद्र बोस

'हरियाणा सहकारी प्रकाश' में प्रकाशित लेखकों के विचारों के साथ हरकोफैड का सहमत होना आवश्यक नहीं है। यह लेखकों के अपने विचार हैं।

हरियाणा सहकारी प्रकाश की विज्ञापन दरें :–

क्र.सं.	विवरण प्रति प्रकाशन	रुपये
1.	पूरा पृष्ठ टाईटल रंगीन	30000/-
2.	पूरा पृष्ठ रंगीन	20000/-
3.	पूरा पृष्ठ श्याम–श्वेत	12000/-
4.	आधा पृष्ठ श्याम–श्वेत	6000/-

इस अंक में पढ़िए

सम्पादकीय 6

सहकारिता मंत्रालय का 5वाँ स्थापना दिवस 7

मुख्यमंत्री की सहकारिता के क्षेत्र में बड़ी घोषणाएं 8-9

राष्ट्रीय समीक्षा कार्यशाला में हरियाणा की उल्लेखनीय सहभागिता 10

हरियाणा शुगरफैड के नेतृत्व में सभी सहकारी चीनी मिलों द्वारा पूरे जोश, उत्साह एवं जन-सहभागिता के साथ सहकारिता सप्ताह समारोह (29 जून -06 जुलाई, 2026) 11

नारनौल में जिला स्तरीय सहकारिता विचार गोष्ठी का आयोजन 12-13

कुरूक्षेत्र में जिला स्तरीय सहकारिता विचार गोष्ठी का आयोजन 14-15

हरियाणा के जिला केन्द्रीय सहकारी बैंकों की व्यावसायिक बैठक का आयोजन 16

सहकारिता सप्ताह के अवसर पर हरको बैंक द्वारा स्वच्छता अभियान का आयोजन 17

हरकोफैड की टीम ने प्राकृतिक कृषि केंद्र, गुरुकुल कुरुक्षेत्र का भ्रमण 18-19

प्रैस कतरनें 20-21

सहकारिता सप्ताह के दौरान हरकोफैड द्वारा कार्यक्रमों का आयोजन 22-27

कविता - राखी 28

तीज : संस्कृति, सहकार और हरियाली का अमर उत्सव 29

हरियाणा की एक नबंर की पैक्स 30

विज्ञापन 31

सम्पादकीय

स्वतंत्रता दिवस : अमृत चेतना का महापर्व और सहकार से विकसित भारत का संकल्प

''स्वतंत्रता केवल अधिकार नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व निभाने की प्रेरणा है और सहकारिता उस उत्तरदायित्व को जन–जन तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम है।''

भारत का स्वतंत्रता संग्राम केवल राजनीतिक आजादी का इतिहास नहीं, बल्कि त्याग, तप, बलिदान और सामूहिक चेतना का अनुपम उदाहरण है। असंख्य ज्ञात–अज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों के अदम्य साहस और बलिदान ने हमें स्वतंत्र भारत का गौरव प्रदान किया। 15 अगस्त केवल एक राष्ट्रीय पर्व नहीं, बल्कि आत्मगौरव, राष्ट्रीय एकता और जनशक्ति के जागरण का महापर्व है। यह दिवस हमें स्मरण कराता है कि स्वतंत्रता का प्रत्येक क्षण उन वीरों के बलिदान का ऋणी है, जिन्होंने राष्ट्र को सर्वोपरि मानकर अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया।

स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ केवल पराधीनता से मुक्ति नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का सामाजिक, आर्थिक और नैतिक रूप से सशक्त होना है। यही वह विचार है, जहाँ सहकारिता राष्ट्रनिर्माण की एक सशक्त धारा बनकर उभरती है। सहकारिता का मूल दर्शन ''एक सबके लिए, सब एक के लिए ''स्वतंत्रता आंदोलन की सामूहिक चेतना से ही प्रेरित है। जिस प्रकार स्वतंत्रता संग्राम में देशवासियों ने एकजुट होकर विदेशी शासन को चुनौती दी, उसी प्रकार सहकारिता समाज को संगठित कर आत्मनिर्भरता, समान अवसर और समावेशी विकास का मार्ग प्रशस्त करती है।

आज जब भारत विकसित भारत–2047 के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है, तब सहकारिता की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। किसानों की आय बढ़ाने, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने, महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने, युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने तथा अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुँचाने में सहकारी संस्थाएँ निरंतर महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। स्वतंत्रता हमारा गौरव है, सहकारिता हमारी शक्ति है और विकसित भारत हमारा सामूहिक संकल्प। ''सहकार से समृद्धि'' केवल एक नारा नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का व्यावहारिक मार्ग है। स्वतंत्रता ने हमें एक राष्ट्र बनाया, सहकारिता हमें एक सशक्त समाज बनाती है।

हरियाणा में सहकारिता आंदोलन ने कृषि, दुग्ध उत्पादन, विपणन, उपभोक्ता सेवाओं और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ अर्जित की हैं। सहकारी संस्थाओं ने यह सिद्ध किया है कि सामूहिक प्रयासों से संसाधनों का बेहतर उपयोग, आर्थिक सशक्तिकरण और सामाजिक समरसता एक साथ प्राप्त की जा सकती है। यही स्वतंत्रता के वास्तविक अर्थ जनकल्याण और समान अवसर को साकार करने की दिशा है।सहकारिता लोकतंत्र की आर्थिक आत्मा है और विकसित भारत की सुदृढ़ आधारशिला।''

स्वतंत्रता दिवस हमें केवल तिरंगा फहराने की प्रेरणा नहीं देता, बल्कि यह संकल्प भी दिलाता है कि हम अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करें, सामाजिक सद्भाव को मजबूत करें, पर्यावरण की रक्षा करें और सहकारिता की भावना को अपने व्यवहार का हिस्सा बनाएँ। जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति दूसरों की प्रगति को अपनी प्रगति समझने लगेगा, तभी स्वतंत्रता का वास्तविक उद्देश्य पूर्ण होगा।

''स्वतंत्रता ने हमें अधिकार दिए हैं, सहकारिता हमें उन अधिकारों को जनकल्याण में बदलने की शक्ति देती है।''

आइए, स्वतंत्रता दिवस के इस पावन अवसर पर हम उन अमर बलिदानियों को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए संकल्प लें कि सहयोग, सेवा, समर्पण और सहकारिता की भावना से विकसित, आत्मनिर्भर और समृद्ध भारत के निर्माण में अपना सक्रिय योगदान देंगे। यही स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों के भारत को साकार करने की सच्ची श्रद्धांजलि होगी। जब हर हाथ दूसरे का सहारा बनता है, तभी राष्ट्र आत्मनिर्भर और समृद्ध बनता है।

स्वतंत्रता का उत्सव तभी पूर्ण है, जब उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहकारिता के माध्यम से पहुँचे।

'सहकार से समृद्धि' के संकल्प के साथ सहकारिता मंत्रालय का 5वाँ स्थापना दिवस नई दिल्ली में मनाया गया

- केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने सहकारिता मंत्रालय के 5वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित किया।
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में सहकारिता मंत्रालय के 5 वर्ष में सहकारिता से जुड़े 30 करोड़ लोगों को नई ऊर्जा मिली।
- 5 वर्षों में मंत्रालय ने सहकारी क्षेत्र की समस्याओं की पहचान कर उनके समाधान और विकास का व्यापक रोडमैप तैयार किया है, और सहकारी व्यवस्था को आधुनिक, पारदर्शी, तकनीक–सक्षम व प्रतिस्पर्धी बनाया है।
- जब देश 2047 में आजादी की शताब्दी मनाएगा, तब 'समृद्ध भारत' की मजबूत नींव सहकारिता आंदोलन होगा।
- कृषि, डेयरी, बैंकिंग, लॉजिस्टिक्स और मोबिलिटी जैसे क्षेत्रों को जोड़ने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर नई सहकारी संस्थाओं का नेटवर्क बना, 32 करोड़ से अधिक सदस्यों का डिजिटल डेटाबेस तैयार हुआ।
- 9 राष्ट्रीय स्तर की सहकारी समितियाँ बनाकर ग्राम स्तर तक सहकारिता को इन 9 क्षेत्रों में एक माला में पिरोया है, आने वाले 10 वर्षों में ये अंतरराष्ट्रीय स्तर की सबसे बड़ी कोऑपरेटिव बनेंगी।
- सहकारिता के माध्यम से किसानों के उत्पाद को गांव से वैश्विक बाजार तक पहुंचाने और भारत को बीज उत्पादन में अग्रणी बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।
- भारत बीज सहकारी समिति अगले 3 वर्षों में देश की सबसे बड़ी बीज उत्पादन कंपनी बनेगी। हर राज्य में नई यूनिट से किसानों को शुद्ध और उन्नत बीज मिलेंगे।
- जैविक खेती, सर्कुलर इकोनॉमी, गोबर प्रबंधन, जैविक खाद और ऊर्जा उत्पादन को सहकारिता मॉडल से जोड़कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति दी जा रही है।
- त्रिभुवन सहकारी यूनिवर्सिटी से हर क्षेत्र में काम करने वाले प्रोफेशनल तैयार होंगे, इससे पैक्स से लेकर एपेक्स तक प्रोफेशनलिज्म आएगा, पारदर्शिता व कार्यकुशलता बढ़ेगी और भ्रष्टाचार भी समाप्त होगा।
- ₹3,000 करोड़ की लागत से PACS के कंप्यूटरीकरण का कार्य 55,000 PACS के माध्यम से CSC सेवाएं, 39,000 किसान समृद्धि केंद्र और 639 जन औषधि केंद्र संचालित हो रहे हैं।
- सहकारी बैंकों में डिजिटल बैंकिंग, साइबर सुरक्षा और ई–केवाईसी लागू होने से जिला सहकारी बैंकों का कारोबार ₹19.6 लाख करोड़ से बढ़कर ₹25 लाख करोड़ से अधिक हुआ।

मुख्यमंत्री की सहकारिता के क्षेत्र में बड़ी घोषणाएं

प्रदेश में खुलेंगे 700 वीटा बूथ	साझा डेयरी योजना के तहत पंचायती जमीन पर बनेंगे पशु शैड'	महिला स्वयं सहायता समूहों को 10 रुपए प्रति लीटर प्रोत्साहन	दुग्ध उत्पादन एवं उत्पाद के लिए बजट की कोई कमी नहीं

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती के साथ डेरी विकास क्षेत्र को नई ऊंचाईयों तक ले जाना

दिनांक 27 जुलाई 2027 को मुख्यमंत्री जी ने सहकारिता विभाग एवं सभी सहकारी संस्थाओं हैफेड, डेयरीफैड, हरकोबैंक, शुगरफैड, एच.एस.सी.ए.आर.डी. बी., लेबरफैड, हाउसफैड, हरकोफैड की हरियाणा सिविल सचिवालय में समीक्षा बैठक की। बैठक में सहकारिता मंत्री डॉ. अरविन्द कुमार शर्मा भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने बताया कि सहकारी समितियों के तहत पंजीकृत महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों को विशेष प्रोत्साहन दिया जाएगा ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें। इसके अलावा, सांझा डेयरी योजना के तहत पंचायती जमीन पर इन समूहों के लिए शैड तथा पशुओं की खरीद के लिए ऋण सुविधा भी उपलब्ध करवाई जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आय के स्त्रोतों की बढ़ोतरी के लिए सरकार ने अनेक कदम उठाए हैं। सहकारी समितियों के तहत पंजीकृत स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को 10 रुपये प्रति लीटर प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। दुग्ध उत्पादन एवं अन्य दुग्ध उत्पाद के लिए बजट की कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। उन्होंने सहकारिता विभाग द्वारा सर्दियों में 3 रुपए, गर्मियों में 5 रुपए दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि में 2 रुपए के हिसाब से बढाने की घोषणा की। अब यह राशि 5 रुपए तथा 7 रुपए प्रति लीटर की गई है। उन्होंने कहा कि दुग्ध मार्केटिंग के लिए 3 रुपए प्रति लीटर की बढौतरी की जा रही है ताकि वीटा दूध को अन्य दूध की तर्ज पर मुनाफे में लाया जा सके।

मुर्रा नस्ल की भैंस हरियाणा की पहचान

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुर्रा नस्ल की भैंस हरियाणा की पहचान है। दुग्ध उत्पादन को बढाने के लिए और ज्यादा सार्थक प्रयास किए जाने चाहिए। इसके लिए पैक्स में महिलाओं के समूहों को दूध की डेयरी शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने बताया कि प्रदेश के 143 स्वयं सहायता समूहों ने दूध की बिक्री के लिए सहमति जताई है। जल्द ही सहकार से समृद्धि की ओर ले जाने के लिए इन समूहों के लिए शैड बनवाकर आधुनिक डेरी सुविधाएं सुलभ करवाकर कार्य शुरू करवाया जाएगा।

710 सहकारी समितियों का ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की 800 सहकारी समितियों में से 710 का ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन किया गया है। इस अभियान में तेजी लाई जा रही है ताकि सभी समितियों का पंजीकरण ऑनलाइन कर शेयर ट्रांसफर सेवा शुरू की जा सके। उन्होंने कहा कि सी.एम. पैक्स को एम पैक्स में बदलने के लिए कार्य किया जाए ताकि इनमें सी.एस.सी, कैटल फीड, बीज बिक्री, खाद, कीटनाशक दवाईयां आदि 33 प्रकार के कार्य आरम्भ किये जा सके। उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों की तरह सहकारी समितियों को लाभ में लाने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य योजना बनाई जाए। सहकारी समितियों के माध्यम से हर घर को काम मिल सकता है। इस प्रकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती के साथ हरियाणा को डेरी विकास क्षेत्र में नई ऊंचाईयों तक ले जाना है।

प्रदेश में खुलेंगे 700 वीटा बूथ

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में रोजगार को बढावा देने के लिए 674 वीटा बूथ खोले जा चुके हैं तथा जल्द ही 318 बूथ ओर खोले जाएंगे। इसके अलावा 240 बूथों के लिए प्रक्रिया जारी है। उन्होंने कहा कि वीटा बूथ सेंटरों की संख्या बढ़ाने के लिए तेजी से कार्य किया जा रहा है। सहकारी समितियों के माध्यम से प्रतिदिन 5 लाख लीटर दूध की खरीद की जा रही है। उन्होंने कहा कि दुग्ध से कई तरह के उत्पाद तैयार किए जाएं ताकि सहकारी फेडरेशन को घाटे से उबारा जा सके। इसके लिए जल्द ही आइसक्रीम बनानी शुरू की जाएगी।

बावल दुग्ध प्लांट की क्षमता बढाकर 5 लाख लीटर होगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि वीटा दूध एवं उत्पादों की बिक्री के लिए रेलवे तथा डिफेंस के लिए प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि बावल में 1.50 लाख लीटर क्षमता का दुग्ध प्लांट लगाया जा रहा है जिसकी क्षमता बढ़ाकर चरणबद्व तरीके से 5 लाख लीटर की जाएगी। इसके अलावा अम्बाला में भी 1.50 लाख लीटर क्षमता का प्लांट लगाया जा रहा है। इसके अलावा प्रदेश के हर जिले में 5 से 10 हजार लीटर क्षमता के 21 मिल्क चिलिंग सेंटर खोले जाएंगे।

उन्होंने बताया कि हरियाणा राज्य परिवहन के बस अड्डों पर 75 बूथ खोले गए हैं। इसके अलावा रेलवे स्टेशनों, टूरिज्म क्षेत्रों तथा ग्रुप हाऊसिंग सोसायटियों तथा सिविल अस्पतालों में भी जन औषधि स्टोर की तरह वीटा बूथ खोले जाएगें। इसी प्रकार प्रदेश में 1400 हरहित स्टोर खोले जाएगें तथा पंचायतों में आईओसीएल के लिए 300 स्थलों की पहचान की गई है।

चीनी मिलों में पिराई का लक्ष्य 130 दिन, रिकवरी लक्ष्य बढाकर 10 प्रतिशत किया जाए

मुख्यमंत्री ने कहा कि सहकारी चीनी मिलों में पिराई का लक्ष्य 130 दिन किया जाए तथा रिकवरी लक्ष्य बढ़ाकर 10 प्रतिशत किया जाए। इसके अलावा गन्ने का क्षेत्रफल बढ़ाने के लिए ड्रीप इरीगेशन का उपयोग के साथ किसानों को ज्यादा से ज्यादा गन्ना लगाने हेतु प्रोत्साहित किया जाए। इसके लिए बोर्ड आफ डायरेक्टर की तिमाही बैठक किसानों के साथ की जाए। कैथल चीनी मिल में उच्च क्वालिटी का गुड़ बनाया जाए। उन्होंने राज्य के विभागों, बोर्ड एवं कारपोरेशनों में चीनी के पाउच का उपयोग करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चीनी मिलों में शुगरकेन हारवेस्टर मशीनों के अलावा कम्प्रेस बायो गेस प्लांट लगाने के लिए भी कार्य किया जा रहा है। हाउसफैड द्वारा गरीब परिवारों को 7 प्रतिशत ब्याज पर 12.50 लाख रुपए तक का आवास ऋण मुहैया करवाया जा रहा है। अब तक 21 हजार लोगों के मकान बनवाए जा चुके है।

सहकारी फेडरेशन में खरीदे गए ट्रेक्टर, अन्य वाहनों की उपलब्धता की विस्तृत रिपोर्ट बनाई जाए। इसके अलावा कस्टम हायर सेंटरों में खरीद किए गए कृषि उपकरणों की भी सूची बनाई जाए ताकि इन उपकरणों का समुचित उपयोग सुनिश्चित हो । उन्होंने कहा कि लेनदेन में होने वाले फ्रॉड के लिए लेनदेन के सभी कार्य ऑनलाइन किए जाएं।

बैठक में मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, अतिरिक्त प्रधान सचिव कृषि विजयेन्द्र कुमार, प्रधान सचिव सहकारिता पंकज यादव, मुख्यमंत्री के उपप्रधान सचिव अजय कुमार, रजिस्ट्रार सहकारी समितियां सुभिता ढाका सहित सहकारी फेडरेशनों के पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय समीक्षा कार्यशाला में हरियाणा की उल्लेखनीय सहभागिता

सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 25–26 जून 2026 को श्रीनगर (जम्मू एवं कश्मीर) में आयोजित राष्ट्रीय समीक्षा कार्यशाला (National Review Workshop) में हरियाणा ने सहकारिता आधारित कृषि अवसंरचना के विकास के क्षेत्र में अपनी उपलब्धियों एवं भावी कार्ययोजना का प्रभावी प्रस्तुतीकरण कर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई।

कार्यशाला के सत्र–IV में "कृषि अवसंरचना के निर्माण में सहकारिताओं की भूमिका – परिवर्तन की यात्रा एवं भविष्य का विस्तार" विषय पर आयोजित पैनल चर्चा में हरियाणा सहित ओडिशा, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, पंजाब, आंध्र प्रदेश एवं झारखंड को अपने–अपने राज्यों के नवाचारों, उपलब्धियों तथा भविष्य की रणनीति प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया।

हरियाणा की ओर से रजिस्ट्रार सहकारी समितियां डॉ सुभिता ढाका जी ने राज्य का प्रतिनिधित्व करते हुए सहकारिता विभाग द्वारा कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने हेतु किए जा रहे उल्लेखनीय प्रयासों पर विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (PACS) के सुदृढ़ीकरण, कम्प्यूटरीकरण, बहुउद्देशीय सेवाओं के विस्तार, वैज्ञानिक भंडारण व्यवस्था के विकास तथा किसानों को गुणवत्तापूर्ण सहकारी सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। इन पहलों ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति प्रदान करने के साथ–साथ किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

कार्यशाला में विभिन्न राज्यों द्वारा सांझा किए गए सफल अनुभवों एवं नवाचारों पर व्यापक विचार–विमर्श हुआ। इससे सहकारिता आधारित कृषि अवसंरचना के विस्तार, आधुनिक तकनीकों के समावेश तथा राज्यों के बीच ज्ञान एवं अनुभवों के आदान–प्रदान को नई दिशा मिली। इस अवसर पर NABARD, WDRA, FCI एवं CWC के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी वर्चुअल माध्यम से अपने विचार साझा करते हुए सहकारिता के माध्यम से कृषि क्षेत्र को सुदृढ़ बनाने के लिए समन्वित प्रयासों पर बल दिया।

राष्ट्रीय समीक्षा कार्यशाला में हरियाणा की सक्रिय एवं प्रभावी सहभागिता ने यह स्पष्ट किया कि राज्य सहकारिता को केवल एक संगठनात्मक व्यवस्था नहीं, बल्कि किसानों की समृद्धि, ग्रामीण विकास और कृषि अवसंरचना के सुदृढ़ीकरण का सशक्त माध्यम मानते हुए निरंतर नवाचार और विस्तार की दिशा में अग्रसर है।

हरियाणा शुगरफैड के नेतृत्व में सभी सहकारी चीनी मिलों द्वारा पूरे जोश, उत्साह एवं जन-सहभागिता के साथ सहकारिता सप्ताह समारोह (29 जून -06 जुलाई, 2026) मनाया गया।

कैप्टन शक्ति सिंह (आई0ए0एस0), प्रबन्ध निदेशक, हरियाणा शुगरफैड

हरियाणा शुगरफैड के मार्गदर्शन में कार्यरत सभी सहकारी चीनी मिलें राज्य की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में निरंतर अहम भूमिका निभा रही है। चीनी उत्पादन के अपने मूल कार्य के अतिरिक्त इन मिलों द्वारा बिजली एवं एथेनॉल उत्पादन के माध्यम द्वारा अतिरिक्त राजस्व स्त्रोत के लिये अहम कदम उठाते हुऐ देश के ऊर्जा उत्पादन व संरक्षण के व्यापक प्रयासों में भी अपनी सहभागिता निभाई है।

सहकारिता के सिद्वांत पर काम करते हुऐ चीनी मिलें किसानों, श्रमिकों और प्रबन्धन को एक साझा ढांचे के अतंर्गत एक साथ लाता है, जिसमें जन–शक्ति एवं संचालन को प्रबंध निदेशक, शुगरफैड के नेतृत्व में व्यवस्थित किया जाता है। इस सरंचना में निर्णय–प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने और पूरी प्रणाली में जवाबदेही बढ़ाने में सहायता की है।

सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार की स्थापना के पांच वर्ष पूर्ण होने पर 'सहकार से समृद्धि' के प्रमुख विजन के तहत किए गए परिवर्तनकारी सुधारों का उत्सव मनाने हेतु प्रबंध निदेशक, हरियाणा शुगरफैड के मार्गदर्शन में सभी चीनी मिलों द्वारा सहकारिता सप्ताह समारोह का आयोजन किया गया। सबंधित सहकारी चीनी मिलों में पर्यावरण संरक्षण हेतु वृक्षारोपण अभियान, सहकारी चौपाल एवं जागरूकता अभियान, गन्ना उत्पादकों के लाभ हेतू गन्ने की वैज्ञानिक ढंग से काश्त पर गोष्ठियां/पैनल चर्चाएं, रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य एवं दंत जांच शिविर तथा स्वच्छता एवं साफ सफाई पर केंद्रित पहलों सहित विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों का आयोजन कर सक्रिय भागीदारी निभाई। इन गतिविधियों द्वारा सहकारिता के क्षेत्र में सतत् विकास, सामुदायिक कल्याण और हितधारकों की सहभागिता के प्रति सहकारिता आंदोलन की प्रतिबद्धता को दर्शाया गया। कुल मिलाकर सहकारी चीनी मिलें जहां एक ओर चीनी, बिजली एवं एथेनॉल उत्पादन से अपना योगदान देती हैं वहीं दूसरी ओर सहकारिता के सिद्वांत पर चलते हुए निरंतर ग्रामीण विकास एवं रोजगार व पर्यावरणीय पहलों तक–क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था में निरंतर अपने महत्व को दर्शाती हैं। सहकारिता सप्ताह के दौरान कुल 76 कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें कुल 6010 सहकार बंधुओं (5571 पुरूष व 439 महिलाऐं) ने भाग लिया।

नारनौल में जिला स्तरीय सहकारिता विचार गोष्ठी का आयोजन

सहकारिता महिलाओं के सशक्तिकरण का सशक्त माध्यम : ओम प्रकाश यादव

नारनौल, 9 जुलाई। हरकोफेड (सहकारिता विभाग, हरियाणा) द्वारा गुरुवार को सैनी धर्मशाला, नारनौल में जिला स्तरीय सहकारिता विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नारनौल के विधायक ओम प्रकाश यादव व महेंद्रगढ़ के विधायक कंवर सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। विशिष्ट अतिथि के रूप में अतिरिक्त उपायुक्त तरुण कुमार पावरिया तथा डीएमसी रणबीर सिंह मौजूद थे।

कार्यक्रम में जिलेभर से लगभग 500 सहकार बंधुओं, सहकारी संस्थाओं के प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

विधायक ओम प्रकाश यादव ने अपने संबोधन में कहा कि सहकारिता ग्रामीण विकास, किसानों की आर्थिक उन्नति तथा महिलाओं के सशक्तिकरण का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सहकारिता क्षेत्र को नई मजबूती प्रदान करने के लिए अनेक प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने सभी सहकारी संस्थाओं का आह्वान किया कि वे पारदर्शिता, जनभागीदारी और सेवा भावना के साथ कार्य करते हुए सहकारिता आंदोलन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएं।

विधायक कंवर सिंह ने कहा कि सहकारिता केवल एक व्यवस्था नहीं, बल्कि ''सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास'' की भावना को साकार करने वाला एक जन–आंदोलन है। इसका मूल मंत्र ''एक सबके लिए और सब एक के लिए'' समाज में सामूहिक विकास, आत्मनिर्भरता और सामाजिक समरसता को मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि सहकारिता के माध्यम से ही अंतिम पंक्ति में खड़े जरूरतमंद को आर्थिक रूप से मजबूत किया जा सकता है। सहकार बंधु विभाग की योजनाओं के बारे में अधिक से अधिक प्रचार प्रसार करें ताकि अधिक से अधिक लोग योजनाओं का लाभ उठाकर सशक्त बने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का सपना साकार हो सके।

हरकोफैड के प्रचार अधिकारी सौरव अत्री ने मंच से जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार एवं सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में पूरे प्रदेश में सहकारिता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत प्रदेश के सभी 23 जिलों में जिला स्तरीय सहकारिता विचार गोष्ठियों का आयोजन किया जाएगा, जिसकी शुरुआत नारनौल से की गई है। उन्होंने बताया कि इसी माह भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय ने स्वतंत्र मंत्रालय के रूप में अपने पांच वर्ष पूर्ण किए हैं। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में ''सहकार से समृद्धि'' के संकल्प को साकार करने के लिए अनेक ऐतिहासिक पहल की गई हैं, जिनके परिणामस्वरूप देशभर में सहकारिता आंदोलन को नई दिशा एवं नई गति मिली है।

कार्यक्रम के दौरान नारनौल जिले में नव–पंजीकृत पांच मुख्यमंत्री पैक्स को पंजीकरण प्रमाण–पत्र वितरित किए गए। साथ ही उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिला सहकारी समितियों को सम्मानित कर उनके उल्लेखनीय योगदान की सराहना की गई।

इस अवसर पर सहकारिता विभाग के सहायक रजिस्ट्रार (एआरसीएस) नरेश दहिया, डीएम हाफेड नारनौल परवीन भारद्वाज, लेबरफेड प्रबंधक रामकरण ढाका, वीटा चिलिंग प्लांट प्रबंधक उदयभान, डीपीसीएआरडीबी नारनौल के सीईओ दर्शन कौशिक, हरकोफैड भिवानी के एसीईओ देवेंद्र सिवाच, हरकोफैड हिसार के एसीईओ ऋषि श्योकंद सहित जिले की सभी सहकारी संस्थाओं के अधिकारी, कर्मचारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कुरूक्षेत्र में जिला स्तरीय सहकारिता विचार गोष्ठी का आयोजन

-हस्तशिल्प को जन-जन तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभा सकता है सहकारिता - सुभाष सुधा
-हरकोफैड ने पर्यावरण बचाने का संदेश देते हुए अतिथियों को भेंट किए पौधे

दिनांक 20 जुलाईः हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि सहकारिता के साथ जुड़कर प्रत्येक नागरिक अपना जीवन बदल सकता है, क्योंकि हस्तशिल्प को जन–जन तक पहुंचाने में सहकारिता अहम भूमिका निभा सकता है। इससे स्वयं सहायता समूह और अन्य स्वरोजगार करने वालों को बहुत लाभ होगा। इस कार्य को आगे बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की सरकार पूरी मदद कर रही है।

पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा सोमवार को गीता ज्ञान संस्थान में हरियाणा राज्य सहकारी विकास प्रसंघ लिमिटेड (हरकोफैड) द्वारा आयोजित सहकारिता जागरूकता अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय सहकारिता विचार गोष्ठी में बोल रहे थे। पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, चेयरमैन सुभाष कलसाना, चेयरमैन रविंद्र सांगवान ने दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। हरकोफैड की तरफ से अतिथियों को पौधे भेंटकर पर्यावरण बचाने का संदेश दिया। धुराला पैक्स व हैफेड की ओर से आयोजित प्रदर्शनी व स्टॉल का निरीक्षण किया।

पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि युवाओं आगे बढ़ने के लिए विजन तय करके मन में लक्ष्य लेकर आगे बढ़े। सरकार ने युवाओं को सहकारिता के माध्यम से इतने विकल्प दिए हैं, जिससे युवाओं को नौकरी के पीछे भागने की जरूरत नहीं है। सहकारिता अपनाकर दूसरों को रोजगार देने वाले बन सकते हैं। "**सब एक के लिए और एक सबके लिए**" यही सहकारिता का उद्देश्य है। कुरुक्षेत्र जिला में ऐसा कार्यक्रम आयोजित किए जाने पर उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा, चेयरमैन सुभाष कलसाना का धन्यवाद किया।

चेयरमैन सुभाष कलसाना ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने देश के हर कोने तक सबका सहयोग करने का बीड़ा उठाते हुए सहकारिता विभाग का गठन किया और सहकारिता से समृद्धि और समृद्धि से आत्मनिर्भरता बनाने का संकल्प लिया। इसी सहकारिता के सपने को साकार करने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवा वर्ग सहकारिता के साथ जुड़कर अपना व्यवसाय कर सकते हैं। सहकारिता युवाओं की कला को निखार कर उन्हें रोजगार देने वाला नागरिक बना रही है।

चेयरमैन सुभाष कलसाना ने कहा कि धुराला पैक्स की टीम ने संघर्ष करते हुए घाटे को खत्म किया और पैक्स को लाभ में लेकर पहुंचे। इस कार्य में सरकार की तरफ से कोई सहयोग नहीं लिया, बल्कि सभी ने मिलकर सहयोग के साथ इस कार्य को आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार बहुउद्देशीय पैक्स के साथ युवाओं को जोड़ रही है। इस बारे में अधिक जानकारी लेने के लिए डीआर व एआर कार्यालय में जाकर जानकारी ले सकते हैं।

हरकोफैड के प्रचार अधिकारी सौरव अत्री ने सहकारिता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हरकोफैड प्रत्येक जिला में सहकारिता प्रधान सचिव पंकज यादव, सहकारी समितियां रजिस्ट्रार सुभिता ढाका व हरकोफैड प्रबंध निदेशक नरेश गोयल के मार्गदर्शन में सहकारिता जागरूकता अभियान चला रहा है, जिसमें नारनौल में पहला कार्यक्रम और कुरुक्षेत्र में दूसरा कार्यक्रम आयोजित हो चुका है। इस अभियान के अंतर्गत हरकोफैड का लक्ष्य है कि सहकारिता विभाग की सभी योजनाओं को जन–जन तक पहुंचाकर सहकार से समृद्धि का स्वप्न साकार करना है तथा महिलाओं और युवाओं को सहकारिता से जोड़ना है।

सहकारी सहायक शिक्षा अधिकारी जगदीप सांगवान ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान वक्ता ऋषि शर्मा व हरजीत ने सहकारिता को अपनाने के बारे में बताया। इस मौके पर एसडीएम अमन कुमार, चेयरमैन सुभाष सैनी, चेयरमैन रामकुमार मांडे, वीटा मिल्क प्लांट चेयरमैन शमशेर सिंह, अमित सैनी, डीआर बंसीलाल, एआर प्रदीप चौहान सहित अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

हरियाणा के जिला केन्द्रीय सहकारी बैंकों की व्यावसायिक बैठक का आयोजन

सभी जिला केन्द्रीय सहकारी बैंकों के महाप्रबंधकों व विकास अधिकारियों की व्यावसायिक बैठक का आयोजन हरियाणा निवास चण्डीगढ़ में किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि श्री भारत भूषण जुयाल, चेयरमैन (हरको बैंक) रहे तथा अध्यक्षता प्रबंध निदेशक डॉ. प्रफुल्ल रंजन द्वारा की गई, मुख्य अतिथि का स्वागत प्रबंध निदेशक द्वारा किया गया । इस अवसर पर बैंक बैठक के दौरान जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों के कार्य निष्पादन, ऋण वितरण, वसूली, जमा वृद्धि, डिजिटल बैंकिंग सेवाओं के विस्तार तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की गई। प्रबंध निदेशक डॉ रंजन ने सभी महाप्रबंधकों को निर्धारित लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति सुनिश्चित करने तथा बैंकिंग सेवाओं को अधिक पारदर्शी, प्रभावी एवं जनहितकारी बनाने के निर्देश दिए।

मुख्य अतिथि एवं हरको बैंक के चेयरमैन श्री भारत भूषण जुयाल ने कहा कि सहकारी बैंक ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। उन्होंने किसानों, ग्रामीण उद्यमियों एवं आम नागरिकों तक बेहतर बैंकिंग सुविधाएं पहुंचाने, ग्राहक सेवा में गुणवत्ता बढ़ाने तथा तकनीकी नवाचारों को अपनाने पर विशेष बल दिया।

बैठक में विभिन्न जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों के प्रदर्शन की समीक्षा के साथ–साथ आगामी कार्ययोजना पर भी विस्तार से चर्चा की गई। उत्कृष्ट कार्य करने वाले बैंकों की सराहना की गई तथा अपेक्षित सुधार वाले क्षेत्रों में आवश्यक दिशा–निर्देश जारी किए गए।

बैठक का समापन इस विश्वास के साथ हुआ कि सभी जिला केंद्रीय सहकारी बैंक आपसी समन्वय एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते हुए सहकारिता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

सहकारिता सप्ताह के अवसर पर हरको बैंक द्वारा स्वच्छता अभियान का आयोजन

हरियाणा स्टेट को–ऑपरेटिव एपेक्स बैंक लिमिटेड (हरको बैंक) द्वारा सहकारिता सप्ताह के अवसर पर बैंक स्क्वायर, सेक्टर–17बी, चंडीगढ़ में स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान का नेतृत्व हरको बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. प्रफुल्ल रंजन ने वरिष्ठ बैंक अधिकारियों के साथ किया। इस अवसर पर डॉ. प्रफुल्ल रंजन ने कहा कि सहकारिता आंदोलन केवल वित्तीय संस्थानों पर आधारित व्यवस्था नहीं है, बल्कि यह समावेशी विकास, पर्यावरणीय स्थिरता तथा राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पित एक जन–केंद्रित आंदोलन है।

यह स्वच्छता अभियान सहकारिता सप्ताह के अंतर्गत हरको बैंक द्वारा श्रीराम लाइफ इंश्योरेंस के सहयोग से आयोजित किया गया, जो बैंक की अपनी मूल सहकारी बैंकिंग प्रतिबद्धताओं के साथ–साथ नागरिक उत्तरदायित्व एवं सामुदायिक सहभागिता के प्रति उसकी दृढ़ प्रतिबद्धता को पुनः स्थापित करता है।

यह अभियान बैंक स्क्वायर, सेक्टर–17बी, चंडीगढ़ में आयोजित किया गया, जहाँ बैंक के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए बैंक स्क्वायर में व्यापक स्वच्छता कार्य किया। इस अभियान में श्री अशोक वर्मा ,महाप्रबंधक, श्रीमती उर्वशी गुप्ता, महाप्रबंधक, श्रीमती सुधा शर्मा उप –महाप्रबंधक, श्री जयपाल सिंह प्रबंधक, श्री महेंद्र जांगड़ा प्रबंधक, श्री उमेश कुमार प्रबंधक तथा श्री विजय कुमार सहायक प्रबंधक सहित अन्य बैंक अधिकारियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

ऐसी जनहितकारी पहलों के माध्यम से हरको बैंक सहकारिता आंदोलन के मूल सिद्धांतों एवं मूल्यों को निरंतर आत्मसात करते हुए समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहा है तथा स्वच्छ भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय एवं सार्थक भूमिका निभा रहा है।

हरियाणा राज्य सहकारी अपैक्स बैंक (हरको बैंक) कर्मचारी यूनियन की आमसभा की बैठक संपन्न, गोकुल सिंह प्रधान व सुरत सिंह उपप्रधान नियुक्त'

चंडीगढ़, 18 जुलाई 2026 :– हरियाणा राज्य सहकारी अपैक्स बैंक (हरको बैंक) कर्मचारी यूनियन की एक महत्वपूर्ण आम बैठक पूर्व प्रधान श्री भूप सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस बैठक में यूनियन की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें श्री गोकुल सिंह को प्रधान तथा सुरत सिंह को सर्वसम्मति से उप–प्रधान चुना गया। पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद नए प्रधान ने अपनी कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए रविन्द्र कुमार को महासचिव, दिनेश सचिव नवीन इन्दौरा कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र यादव ऑडिटर संगीत संयोजक व जोगिन्द्र हुड्डा को सलाहकार नियुक्त किया गया बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने नव–नियुक्त पदाधिकारियों का जोरदार स्वागत किया और उन्हें बधाई दी। इस अवसर पर नवनियुक्त प्रधान गोकुल सिंह व उप प्रधान सुरत सिंह ने सभी कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नई कार्यकारिणी कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान और उनके हितों की रक्षा के लिए हमेशा पूरी निष्ठा से काम करेगी।

प्राकृतिक खेती की आधुनिक तकनीकों एवं विधियों की जानकारी प्राप्त करने के लिए हरकोफैड की टीम ने प्राकृतिक कृषि केंद्र, गुरुकुल कुरुक्षेत्र का भ्रमण किया।

नीमास्त्र प्लांट
जीवामृत प्लांट

नीमास्त्र प्लांट
जीवामृत प्लांट

हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
10072026 Rohtak Mahendergarh - 10 Jul 2026 - Page 4

सहकारिता महिलाओं के सशक्तिकरण का सशक्त माध्यमः ओमप्रकाश यादव

हरिभूमि न्यूज ▸▸| नारनौल

हरकोफेड (सहकारिता विभाग, हरियाणा) की ओर से वीरवार को सैनी धर्मशाला में जिला स्तरीय सहकारिता विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विधायक ओमप्रकाश यादव व महेंद्रगढ़ के विधायक कंवर सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। विशिष्ट अतिथि के रूप में अतिरिक्त उपायुक्त तरुण कुमार पावरिया व डीएमसी रणबीर सिंह मौजूद थे। कार्यक्रम में जिलेभर से लगभग 500 सहकार बंधुओं, सहकारी संस्थाओं के प्रतिनिधियों व अधिकारियों ने भाग लिया। विधायक ओमप्रकाश यादव ने कहा कि सहकारिता ग्रामीण विकास, किसानों की आर्थिक उन्नति तथा महिलाओं के सशक्तिकरण का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सहकारिता क्षेत्र को नई मजबूती प्रदान करने के लिए अनेक प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। विधायक कंवर सिंह ने कहा कि सहकारिता केवल एक व्यवस्था नहीं, बल्कि सबका साथ,

नारनौल। शिविर में नागरिकों की शिकायतें सुनते एडीसी तरुण कुमार पावरिया।

सबका विकास और सबका विश्वास की भावना को साकार करने वाला एक जन-आंदोलन है। हरकोफेड के प्रचार अधिकारी सौरव अत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार व सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में पूरे प्रदेश में सहकारिता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत प्रदेश के सभी 23 जिलों में जिला स्तरीय सहकारिता विचार गोष्ठियों का आयोजन किया जाएगा, जिसकी शुरूआत नारनौल से की गई है।

कार्यक्रम के दौरान जिले में नव-पंजीकृत पांच मुख्यमंत्री पैक्स को पंजीकरण प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। साथ ही उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिला सहकारी समितियों को सम्मानित कर उनके उल्लेखनीय योगदान की सराहना की गई। इस मौके पर सहकारिता विभाग के सहायक रजिस्ट्रार (एआरसीएस) नरेश दहिया, डीएम हाफेड प्रवीन भारद्वाज, लेबरफेड प्रबंधक रामकरण ढाका, वीटा चिलिंग प्लांट प्रबंधक उदयभान, डीपीसीएआरडीबी के सीईओ दर्शन कौशिक, हरकोफेड भिवानी के एसीईओ देवेंद्र सिवाच, हरकोफेड हिसार के एसीईओ ऋषि श्योकंद आदि उपस्थित रहे।

अमर उजाला

'सहकारिता से मजबूत होगा ग्रामीण विकास'

संवाद न्यूज एजेंसी

नारनौल। हरकोफेड (सहकारिता विभाग, हरियाणा) ने वीरवार को नारनौल में जिलास्तरीय सहकारिता विचार गोष्ठी का आयोजन किया। विधायक ओम प्रकाश यादव ने कहा कि सहकारिता ग्रामीण विकास, किसानों की आर्थिक उन्नति और महिलाओं के सशक्तीकरण का सशक्त माध्यम है।

उन्होंने सहकारी संस्थाओं से पारदर्शिता और जनभागीदारी के साथ कार्य करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में जिलेभर से लगभग 500 सहकार बंधुओं, सहकारी संस्थाओं के प्रतिनिधियों और अधिकारियों ने भाग लिया। इसमें नारनौल के विधायक ओम प्रकाश यादव और महेंद्रगढ़ के विधायक कंवर सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

अतिरिक्त उपायुक्त तरुण कुमार पावरिया और डीएमसी रणबीर सिंह विशिष्ट अतिथि थे।

जिलास्तरीय गोष्ठी में विधायक ने सहकारी संस्थाओं से पारदर्शिता बढ़ाने का किया आह्वान

विधायक कंवर सिंह ने सहकारिता को सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की भावना को साकार करने वाला जन-आंदोलन बताया। उन्होंने कहा कि इसका मूल मंत्र एक सबके लिए और सब एक के लिए सामूहिक विकास और आत्मनिर्भरता को मजबूत करता है। उन्होंने विभाग की योजनाओं के प्रचार-प्रसार पर जोर दिया।

हरकोफेड के प्रचार अधिकारी सौरव अत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देश पर पूरे प्रदेश में सहकारिता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसकी शुरुआत नारनौल से हुई है।

इस अभियान के तहत प्रदेश के सभी 23 जिलों में विचार गोष्ठियां आयोजित की जाएंगी।

जिला स्तरीय सहकारिता विचार गोष्ठी का आयोजन

नारनौल, 9 जुलाई। हरकोफेड (सहकारिता विभाग, हरियाणा) द्वारा गुरुवार को सैनी धर्मशाला, नारनौल में जिला स्तरीय सहकारिता विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नारनौल के विधायक ओम प्रकाश यादव व महेंद्रगढ़ के विधायक कंवर सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। विशिष्ट अतिथि के रूप में अतिरिक्त उपायुक्त तरुण कुमार पावरिया तथा डीएमसी रणबीर सिंह मौजूद थे। कार्यक्रम में जिलेभर से लगभग 500 सहकार बंधुओं, सहकारी संस्थाओं के प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विधायक ओम प्रकाश यादव ने अपने संबोधन में कहा कि सहकारिता ग्रामीण विकास, किसानों की आर्थिक उन्नति तथा महिलाओं के सशक्तिकरण का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सहकारिता क्षेत्र को नई मजबूती प्रदान करने के लिए अनेक प्रभावी कदम उठाये जा रहे है। उन्होंने सभी सहकारी संस्थाओं का आह्वान किया कि वे पारदर्शिता, जनभागीदारी और सेवा भावना के साथ कार्य करते हुए सहकारिता आंदोलन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएं। विधायक कंवर सिंह ने कहा कि सहकारिता केवल एक व्यवस्था नहीं, बल्कि "सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास" की भावना को साकार करने वाला एक जन-आंदोलन है। इसका मूल मंत्र "एक सबके लिए और सब एक के लिए" समाज में सामूहिक विकास, आत्मनिर्भरता और सामाजिक समरसता को मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि सहकारिता के माध्यम से ही अंतिम पंक्ति में खड़े जरूरतमंद को आर्थिक रूप से मजबूत किया जा सकता है। सहकार बंधु विभाग की योजनाओं के बारे में अधिक से अधिक प्रचार प्रसार करें ताकि अधिक से अधिक लोग योजनाओं का लाभ उठाकर सशक्त बने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का सपना साकार हो सके।हरकोफेड के प्रचार अधिकारी सौरव अत्री ने मंच से जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार एवं सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में पूरे प्रदेश में सहकारिता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत प्रदेश के सभी 23 जिलों में जिला स्तरीय सहकारिता विचार गोष्ठियों का आयोजन किया जाएगा, जिसकी शुरुआत नारनौल से की गई है। उन्होंने बताया कि इसी माह भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय ने स्वतंत्र मंत्रालय के रूप में अपने पांच वर्ष पूर्ण किए हैं। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में "सहकार से समृद्धि" के संकल्प को साकार करने के लिए अनेक ऐतिहासिक पहल की गई हैं, जिनके परिणामस्वरूप देशभर में सहकारिता आंदोलन को नई दिशा एवं नई गति मिली है। कार्यक्रम के दौरान नारनौल जिले में नव-पंजीकृत पांच मुख्यमंत्री पैक्स को पंजीकरण प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। साथ ही उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिला सहकारी समितियों को सम्मानित कर उनके उल्लेखनीय योगदान की सराहना की गई।

10 अंबाला, मंगलवार, 21 जुलाई 2026
www.dainiksaveratimes.com
कुरुक्षेत्र
दैनिक सवेरा टाइम्स

हैंडमेड प्रोडक्ट को जन-जन तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभा सकता है सहकारिता : सुभाष सुधा

पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, चेयरमैन सुभाष कलसाना, चेयरमैन रविंद्र सांगवान ने दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का किया शुभारंभ

सवेरा न्यूज/जसबीर सिंह

कुरुक्षेत्र, 20 जुलाई : हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि सहकारिता के साथ जुड़ कर प्रत्येक नागरिक अपना जीवन बदल सकता है क्योंकि हैंडमेड प्रोडक्ट को जन-जन तक पहुंचाने में सहकारिता अहम भूमिका निभा सकता है। [illegible]

[illegible]

कलवारी गांव में किसान गोष्ठी आयोजित, किसानों को सहकारी योजनाओं की दी जानकारी

नूंह (शौकीन कोटला) 08 जुलाई - हरियाणा राज्य सहकारी विकास प्रसंघ के तत्वावधान में सोमवार को गांव कलवारी, तावडू (नूंह) में किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बैंक के चेयरमैन श्री नरेंद्र भारद्वाज शामिल हुए। गोष्ठी में 150 से अधिक किसानों ने भाग लेकर सहकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त की।

कार्यक्रम की शुरूआत हरकोबैंक पंचकूला के सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी श्री सत्यनारायण यादव ने मुख्य अतिथि एवं उपस्थित किसानों का स्वागत करते हुए की। उन्होंने किसानों को सहकारी मूल्यों की जानकारी दी तथा बताया कि हरियाणा सरकार किसानों को सशक्त बनाने के लिए सीएम पशुधन योजना सहित अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है। उन्होंने सहकारी क्षेत्र के माध्यम से उपलब्ध सुविधाओं, जैसे खाद-बीज, दवाइयां, सीएससी केंद्र आदि के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी।

निरीक्षक सहकारी समितियां तावडू श्री मुकेश यादव ने किसानों को सीएम पशु योजना से जुड़ने की प्रक्रिया सरल भाषा में समझाई। वहीं वित्तीय साक्षरता सलाहकार श्री प्रेमपाल ने किसानों को वित्तीय प्रबंधन, बैंकिंग सेवाओं तथा जीएलजी (ऋछऋ) एवं एसएचजी (रलऋ) समूहों के गठन के लाभों से अवगत कराया।

रेडियो मेवात 90.4 एफएम के प्रतिनिधि श्री इमरान ने बताया कि रेडियो मेवात किसानों, महिलाओं और आमजन तक सरकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाने का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि जल्द ही सहकारी समितियों के सहयोग से एक नया रेडियो कार्यक्रम शुरू किया जाएगा, जिससे किसानों और महिलाओं को सहकारी योजनाओं से जुड़ने में सहायता मिलेगी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मुख्य अतिथि श्री नरेंद्र भारद्वाज ने किसानों से सहकारी क्षेत्र से जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सहकारी संस्थाओं से जुड़कर किसान अपनी आय बढ़ा सकते हैं और सरकार की विभिन्न योजनाओं का अधिकतम लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

कार्यक्रम के अंत में किसानों ने विशेषज्ञों से अपने प्रश्न पूछे तथा विभिन्न सरकारी एवं सहकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

गांव की बहू-बेटियां लिख रही हैं विकास की नई कहानी, तरक्की की बनीं मजबूत धुरी

घूंघट तै कारोबार तक

कभी चौके-चूल्हे और घर-आंगन तक सीमित मानी जाने वाली ग्रामीण महिलाएं आज हरियाणा के विकास की ऐसी कहानी लिख रही हैं, जिस पर पूरा गांव गुमान कर रहा है। बचत की छोटी-सी पोटली से शुरू हुआ सफर अब लाखों के कारोबार तक पहुंच गया है। स्वयं सहायता समूहों और लखपति दीदी अभियान ने गांव की बहू-बेटियों में ऐसा भरोसा जगाया है कि अब वे पूरे गांव की तरक्की की मजबूत धुरी बन चुकी हैं। कहीं अचार-पापड़ की खुशबू है तो कहीं देशी अनाज के बिस्कुट, कहीं ड्रोन उड़ाती दीदी है तो कहीं जैविक उत्पादों से दूसरे राज्यों तक पहचान बना रही महिलाएं। साफ है, गांवों में बदलाव की बयार चल पड़ी है और इस बदलाव की अगुवाई महिलाएं कर रही हैं।

महिलाओं का तैयार किया गया ठाठिया • सौ. रेखा

महिलाओं द्वारा तैयार की गई हरियाणवी चुनरी। खुद तैयार की चुनरी दिखाती महिलाएं • सौजन्य : प्रमिला

बचत तै बरकत... बना नया मंत्र

हरियाणा में आज 63 हजार से ज्यादा महिला स्वयं सहायता समूह सक्रिय हैं, जिनसे करीब 6.21 लाख परिवार जुड़े हैं। 5300 ग्राम संगठन और 270 क्लस्टर लेवल फेडरेशन महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की कड़ी बने हुए हैं। महिलाएं आज बचत के दम पर बैंक से ऋण लेकर कारोबार खड़ा कर रही हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार हरियाणा में 58 हजार से ज्यादा महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। यानी वे सालाना एक लाख या उससे अधिक की आय अर्जित कर रही हैं।

बाजार और सरकार का साथ

महिलाओं के उत्पाद केवल गांव तक सीमित न रहें, इसके लिए सरकार भी लगातार प्रयास कर रही है। प्रदेश में 13 सांझा बाजार संचालित किए जा रहे हैं। इसके अलावा 420 मिशन कैंटीन और 18 बस अड्डों पर 20 दुकानें महिलाओं के लिए स्थायी बाजार उपलब्ध करा रही हैं। अब गांव की बहू बेटियां मोबाइल पर आर्डर ले रही हैं और अपने उत्पादों को दूर-दराज के बाजारों तक पहुंचा रही हैं।

स्वयं सहायता समूहों को बेहतर बाजार, डिजिटल प्लेटफार्म और वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। आने वाले वर्षों में ग्रामीण अर्थव्यवस्था की ताकत महिलाएं ही होंगी। जब महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त होती हैं तो पूरा गांव विकास की राह पर बढ़ता है। - सूरजभान, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन

प्रस्तुति : भिवानी से सुरेश मेहरा

राष्ट्रीय सहकारी सप्ताह उत्सव के समापन पर नूंह में लेख प्रतियोगिता का आयोजन

नूंह (शौकीन कोटला) 06 जुलाई - राष्ट्रीय सहकारी सप्ताह उत्सव के अंतिम दिन हरियाणा राज्य सहकारी विकास प्रसंघ, पंचकूला के तत्वावधान में जिला नूंह के कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में लेख प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में सहकारिता की भावना को बढ़ावा देना और उनकी लेखन प्रतिभा को निखारना था।

कार्यक्रम में हरकोफैड पंचकूला के सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी श्री सत्यनारायण यादव तथा सहायक रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां नूंह श्री रितेंद्र कुमार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने विद्यार्थियों को सहकारिता के महत्व के बारे में जानकारी दी और जीवन में मिल-जुलकर काम करने की प्रेरणा दी।

इस प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न विद्यालयों के लगभग 40 विद्यार्थियों ने भाग लिया। सभी प्रतिभागियों ने सहकारिता विषय पर अपने विचार लेख के माध्यम से प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, नूंह की छात्रा सरमीन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, नूंह की छात्रा आस्मीन दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, नूंह की छात्रा डिम्पल ने तीसरा स्थान हासिल किया।

इसके अलावा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, मालाब के छात्र अरमान तथा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, नूंह की छात्रा इमराना को सांत्वना पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

विजेताओं को नकद पुरस्कार भी प्रदान किए गए। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा को 2,100 रुपये, द्वितीय स्थान पर रहने वाली छात्रा को 1,500 रुपये, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा को 1,100 रुपये तथा दोनों सांत्वना पुरस्कार विजेताओं को 700-700 रुपये की पुरस्कार राशि दी गई।

प्रतियोगिता में लिखे गए लेखों का मूल्यांकन निरीक्षक श्री नगेंद्र कुमार तथा निरीक्षक सहकारी समिति नूंह श्री पंकज यादव द्वारा किया गया। दोनों निर्णायकों ने निष्पक्ष रूप से सभी लेखों का परीक्षण कर परिणाम घोषित किए।

कार्यक्रम के अंत में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, नूंह की प्राचार्य श्रीमती सुमित्रा शर्मा ने हरियाणा सहकारी विभाग तथा कार्यक्रम से जुड़े सभी अधिकारियों और कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने विभिन्न विद्यालयों से आए विद्यार्थियों और उनके शिक्षकों का भी धन्यवाद करते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं बच्चों की प्रतिभा को आगे बढ़ाने और उनमें सकारात्मक सोच विकसित करने का अच्छा माध्यम हैं।

कार्यक्रम का समापन विजेताओं को पुरस्कार वितरण और सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देने के साथ हुआ। उपस्थित अधिकारियों ने भविष्य में भी इस प्रकार की प्रतियोगिताओं के आयोजन की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि विद्यार्थियों में सहकारिता, अनुशासन और रचनात्मक लेखन के प्रति रुचि बढ़े।

हरकोफैड का भूना पैक्स में किसान प्रशिक्षण कैंप, प्राकृतिक खेती व सहकारिता पर मिला मार्गदर्शन

गुहला चीका/सुरिंदर वधावन/गुरदेव जोसन/हुक्म मैहला/

15 जुलाई/हरकोफैड पंचकूला की ओर से दी भूना पैक्स लिमिटेड, भूना के प्रांगण में किसान प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरदार सुखदेव सिंह ने की, जबकि कार्यक्रम का आयोजन हरकोफैड के शिक्षा अनुदेशक अशोक कुमार की देखरेख में किया गया। शिविर का उद्देश्य किसानों को प्राकृतिक खेती, सरकारी योजनाओं तथा सहकारिता आंदोलन की उपयोगिता के प्रति जागरूक करना रहा।

उल्लेखनीय है कि दी भूना पैक्स लिमिटेड से भूना के अलावा नानकपुरा, रामनगर, खरकड़ा, थेह मुकेरियां सहित आसपास के कई डेरों के सदस्य जुड़े हुए हैं, जिन्हें इस प्रशिक्षण शिविर का लाभ मिला। कार्यक्रम में कृषि विभाग से मुख्य वक्ता के रूप में बीटीएम सीवन डॉ. लोचन कौशिक ने किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा किसानों को प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण दिया जाता है, जिससे खेती की लागत कम होती है और मिट्टी की उर्वरता के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलता है। उन्होंने किसान आईडी बनाने की प्रक्रिया की जानकारी देते हुए कहा कि विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए किसान आईडी आवश्यक है। उन्होंने धान की सीधी बिजाई योजना के बारे में बताते हुए कहा कि इस पद्धति को अपनाने वाले किसानों को सरकार की ओर से 4,500 रुपये प्रति एकड़ का अनुदान दिया जाता है। इसके अलावा मेरा पानी-मेरी विरासत योजना के तहत धान के स्थान पर मक्का, कपास सहित अन्य वैकल्पिक फसलें लगाने पर किसानों को 8,000 रुपये प्रति एकड़ की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है।

हरकोफैड से सेवानिवृत्त सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी वेदपाल गोयत ने सहकारिता आंदोलन की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सहकारिता का मूल उद्देश्य किसानों को साहूकारों के चंगुल से बचाकर उन्हें सुलभ एवं किफायती वित्तीय सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि मांग और आपूर्ति के संतुलन को बनाए रखने में सहकारी संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। ऋण सहकारी समितियां, दुग्ध सहकारी समितियां, गन्ना उत्पादक सहकारी समितियां, श्रम एवं भवन निर्माण सहकारी समितियां, मार्केटिंग-कम-प्रोसेसिंग सहकारी समितियां तथा अन्य बहुउद्देशीय सहकारी समितियां अपने सदस्यों के सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं।

उन्होंने बताया कि ऋण सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों को ब्याज रहित फसली ऋण उपलब्ध कराया जाता है तथा अमानतों पर भी अन्य बैंकों की अपेक्षा अधिक ब्याज दिया जाता है।

हरकोफैड के शिक्षा अनुदेशक अशोक कुमार ने सहकारी संस्थाओं के पंजीकरण, उनकी प्रबंधन प्रणाली तथा सहकारिता के त्रिस्तरीय ढांचे की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने किसानों से अधिक से अधिक संख्या में सहकारी संस्थाओं से जुड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि संगठित होकर किसान सरकारी योजनाओं का बेहतर लाभ उठाने के साथ-साथ अपनी आर्थिक स्थिति को भी सुदृढ़ बना सकते हैं।

कार्यक्रम के सफल आयोजन एवं व्यवस्थाओं में दी भूना पैक्स लिमिटेड के कर्मचारियों विरेंद्र सिंह, नीतीश शर्मा, चारु मिगलानी एवं धर्मपाल ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

अंत में किसानों ने कृषि एवं सहकारिता से जुड़े विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों से सवाल पूछे, जिनका विस्तारपूर्वक समाधान किया गया।

हरकोफेड पंचकुला द्वारा आयोजित की गयी किसान गोष्ठी, किसानों को दी योजनाओं की जानकारी

जन नीति टाइम्स/साहून खान ब्यूरो चीफ नूंह। हरियाणा राज्य सहकारी विकास प्रसंग के तत्वावधान में मंगलवार को गांव कलवारी, तावडू (नूंह) में किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सहकारी बैंक के चेयरमैन नरेंद्र भारद्वाज सहित कई अधिकारी और अतिथि मौजूद रहे। गोष्ठी में 150 से अधिक किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत में हरको फेड, पंचकूला के सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी सत्यनारायण यादव ने मुख्यातिथि व अथिति वक्तों का स्वागत किया और किसान भाइयों को सहकारी मूल्यों के बारे में बताते हुए सहाकरी मोडल ऑफ बिजनिस पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला उन्होनो ने कहा की किसान भाई हरियाणा के हर गाँव में एक सीएम पक्स बनाकर अपने गाँव को सहकारी क्षेत्र की सभी सुविधाएँ जैसे खाद बिज और दवाइयों का व्यसाय हेफेड वीटा स्टोर सीएससी सीएससी सेंटर आदि सुविधाएँ अपने गाँव को दें मुकेश यादव निरीक्षक सहकारी समितियां तावडू ने किसानों को सीएम पक्स बनाने की प्रकिरिया के बारे में सरल भाषा में बताया। पुनिवपाल वितीय सार्थकता सलाहकार नाबार्ड ने किसना भाइयों को वितीय प्रबंधन और सहकारी बैंकों से ऋण सुविधा प्राप्त करने के बारे में बताया उन्होंने गलग और समूह बनाने पर जोर दियो रेडियो मेवात के प्रतिनिधि इमरान ने बताया कि रेडियो मेवात 90.4 एफएम किसानों, महिलाओं और आम लोगों तक सरकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाने का काम कर रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मुख्य अतिथि नरेंद्र भारद्वाज ने किसानों से सहकारी क्षेत्र से जुड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सहकारी संस्थाओं से जुड़कर किसान अपनी आय बढ़ा सकते हैं और सरकार की योजनाओं का अधिक लाभ प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम के अंत में किसानों ने विशेषज्ञों से अपने सवाल पूछे और योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त की

हरिभूमि

epaper.haribhoomi.com
16072026 Rohtak Panipat - 16 Jul 2026 - Page 3

हरकोफैंड ने गांव दरियापुर में किसानों को पशुपालन के प्रति किया जागरूक किया

हरिभूमि न्यूज ▸▸ पानीपत

हरियाणा राज्य सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक फेडरेशन (हरकोफैड) द्वारा बुधवार को गांव दरियापुर में आयोजित किसान जागरूकता शिविर में सहकारिता, आधुनिक पशुपालन, प्राकृतिक खेती तथा सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। वहीं, शिविर में हरकोफैड के शिक्षा अनुदेशक प्रवेश कुमार ने किसानों को सहकारिता आंदोलन की विस्तृत जानकारी देते हुए सहकारिता को अपनाने पर बल दिया। जबकि मुख्य वक्ता डॉ. राजेंद्र सिंह ने पशुपालन को किसानों की अतिरिक्त आय का सशक्त माध्यम बताते हुए कहा कि गाय माता प्राकृतिक खेती की आधारशिला है, क्योंकि गोबर एवं गोमूत्र खेती की लागत कम करने के साथ-साथ मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने और किसानों की आय में वृद्धि करने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। डॉ. जोरा सिंह मलिक ने प्राकृतिक खेती के साथ आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी दी। शिविर में सुल्तान सिंह पाक्स मैनेजर उरलाना के साथ बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

पानीपत। हरकोफैड के विशेषज्ञ गांव दरियापुर के किसानों को जागरूक करते हुए।

पशुपालन और प्राकृतिक खेती की दी जानकारी

मतलौडा। हरियाणा राज्य सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक फेडरेशन (हरकोफैड) की ओर से बुधवार को गांव दरियापुर में किसान जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में करीब 50 किसानों ने भाग लिया। किसानों को सहकारिता, आधुनिक पशुपालन, प्राकृतिक खेती और योजनाओं की जानकारी दी गई। मुख्य वक्ता डॉ. राजेंद्र सिंह ने कहा कि पशुपालन किसानों की अतिरिक्त आय का बेहतर माध्यम है। उन्होंने उन्नत नस्लों के चयन, संतुलित आहार और पशुओं के नियमित टीकाकरण पर जोर दिया। शिविर में डॉ. जोरा सिंह मलिक मौजूद रहे। संवाद

पंजाब केसरी FRI,17 JULY 2026
EDITION: PANIPAT KESARI, PAGE NO. 2

प्राकृतिक खेती, संतुलित पशु आहार और फसल अवशेष प्रबंधन पर किसानों को किया जागरूक

पानीपत, 16 जुलाई (खर्ब) : हरियाणा राज्य सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास महासंघ (हरकोफैड) द्वारा गुरुवार को उपमंडल इसराना में किसान जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में क्षेत्र के करीब 50 किसानों ने भाग लेकर सहकारिता, आधुनिक कृषि, प्राकृतिक खेती तथा वैज्ञानिक पशुपालन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। विशेषज्ञों ने किसानों को खेती और पशुपालन के माध्यम से आय बढ़ाने के प्रभावी उपाय बताते हुए सरकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया।

शिविर में किसानों को आधुनिक कृषि, प्राकृतिक खेती तथा वैज्ञानिक पशुपालन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां देते डॉ. राजेंद्र सिंह। (छाया)

शिविर में हरकोफैड के शिक्षा अनुदेशक प्रवेश कुमार ने किसानों को सहकारिता आंदोलन की उपयोगिता पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सहकारी संस्थाओं से जुड़कर किसान उन्नत कृषि तकनीकों, बेहतर विपणन व्यवस्था, सरकारी सुविधाओं और विभिन्न योजनाओं का लाभ लेकर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत बना सकते हैं। उन्होंने किसानों से सहकारी क्षेत्र से अधिक से अधिक जुड़ने का आह्वान किया।

डॉ. राजेंद्र सिंह ने पशुपालन को किसानों की अतिरिक्त आय का मजबूत माध्यम बताते हुए वैज्ञानिक पशुपालन की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने पशुओं की उन्नत नस्लों का चयन, नस्ल सुधार कार्यक्रम, नवजात पशुओं की देखभाल, जन्म के तुरंत बाद खीस (कोलोस्ट्रम) पिलाने का महत्व, संतुलित आहार तैयार करने की विधि, आरामदायक पशु आवास, मौसम के अनुसार प्रबंधन तथा समय पर टीकाकरण के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पशुओं को स्वच्छ एवं पर्याप्त पानी उपलब्ध कराना तथा नियमित रूप से खनिज मिश्रण खिलाना उनके स्वास्थ्य और उत्पादन क्षमता के लिए अत्यंत आवश्यक है।

डॉ. राजेंद्र सिंह ने कहा कि गौ माता प्राकृतिक खेती की आधारशिला है, क्योंकि गोबर और गोमूत्र प्राकृतिक खेती में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इनके उपयोग से खेती की लागत कम होती है और किसानों की आमदनी में वृद्धि होती है।

उन्होंने किसानों को मिट्टी की जांच करवाने, फसल अवशेषों को आग न लगाने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। साथ ही सरकार द्वारा संचालित कृषि एवं पशुपालन संबंधी योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने की अपील की।

शिविर के सफल आयोजन में सहकारी समिति इसराना के निरीक्षक विनोद कुमार ने विशेष सहयोग दिया। वहीं डॉ. जोरा सिंह मलिक ने किसानों के साथ प्राकृतिक खेती एवं आधुनिक कृषि तकनीकों से जुड़े अपने अनुभव साझा करते हुए उत्पादन बढ़ाने और लागत घटाने के व्यावहारिक उपाय बताए। कार्यक्रम में किसानों ने विशेषज्ञों से विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछे और आधुनिक कृषि, पशुपालन तथा सहकारिता से जुड़कर अपनी आय बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में किसान जयभगवान फौजी, प्रदीप जागलान, समशेर जागलान, रामकिशन, हरिचंद मलिक, पालेराम जागलान, राजकुमार सहरावत, समशेर मलिक व दयानंद जागलान शामिल हुए।

दैनिक भास्कर पानीपत भास्कर 17-07-2026

प्राकृतिक खेती व पशुपालन पर प्रशिक्षण शिविर लगाया

पानीपत | उपमंडल इसराना में हरियाणा राज्य सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास महासंघ हरकोफैड ने किसान जागरूकता शिविर में करीब 50 किसानों ने सहकारिता, प्राकृतिक खेती, आधुनिक कृषि तकनीक और वैज्ञानिक पशुपालन पर प्रशिक्षण लिया। हरकोफैड के शिक्षा अनुदेशक प्रवेश कुमार ने कहा कि सहकारी संस्थाओं से जुड़कर किसान उन्नत तकनीक, बेहतर विपणन, सरकारी सुविधाओं और योजनाओं के बारे में बताया। डॉ. राजेंद्र सिंह ने पशुपालन को अतिरिक्त आय का प्रभावी साधन बताया।

गांव इसराना में हरकोफैड ने लगाया किसान जागरूकता शिविर

सहारा हरियाणा, पानीपत। जिला के गांव इसराना में हरकोफैड द्वारा किसान जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 50 पुरुष किसानों ने भाग लिया। इस कैंप में प्रवेश कुमार शिक्षा अनुदेशक हरकोफैड ने किसानों को सहकारिता के बारे में पूर्ण जानकारी देने के साथ-साथ सहकारिता से जुड़कर किसान भाई अपनी आमदनी कैसे बढ़ा सकते है। इसके बारे में विस्तार से बताया। वहीं इस दौरान डॉक्टर राजेंद्र सिंह द्वारा प्रतिभागियों को अपने व परिवार की आमदनी पशु पालन के माध्यम से बढ़ाने के गुरु प्रदान किए गए। इस अवसर पर डॉक्टर राजेंद्र सिंह ने प्रतिभागियों किसानों पशुपालकों को पशुपालन में नस्लों का चुनाव व नस्ल सुधार कार्यक्रम नवजात पशु की देखभाल व खीस पिलाने का महत्व, पशुओं के लिए संतुलित आहार कैसे बनाने व खिलाने, आरामदायक गृह व्यवस्था व बीमारियों से बचाव के लिए मौसम के अनुसार प्रबंध व टीकाकरण के बारे में विस्तार से जागरूक किया। उन्होंने सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में भी पशुपालकों को बताया।इस अवसर पर गांव इसराना के निरिक्षक सहकारी समिति इसराना विनोद कुमार, डाक्टर जोरा सिंह मलिक ने प्राकृतिक खेती के साथ साथ आधुनिक खेती करने के बारे में किसानों को बताया।

प्राकृतिक खेती से बढ़ेगी किसानों की आमदनी

संस, जागरण • इसराना : सर छोटूराम किसान भवन में हरकोफैड की ओर से वीरवार को किसान जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 50 किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को सहकारिता, पशुपालन और प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूक करना था। हरकोफैड के शिक्षा अनुदेशक प्रवेश कुमार ने सहकारिता के लाभों पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता डा. राजेंद्र सिंह ने पशुपालन को आय बढ़ाने का प्रभावी साधन बताते हुए नस्ल चयन, नवजात पशुओं की देखभाल, संतुलित आहार की जानकारी साझा की।

सहकारिता सप्ताह के दौरान हरकोफैड द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन

''वृक्ष प्रकृति की धरोहर हैं और सहकारिता समाज की शक्तियां दोनों का संरक्षण ही समृद्ध भविष्य की आधारशिला है।''

भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय की स्थापना के उपलक्ष्य में 29 जून से 06 जुलाई, 2026 तक देशभर में सहकारिता सप्ताह का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। इस अवसर पर हरियाणा राज्य सहकारी विकास प्रसंघ लिमिटेड (हरकोफैड), पंचकूला द्वारा सहकारिता के मूल सिद्धांत ''समुदाय के प्रति निष्ठा'' को जन–जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से विभिन्न जन–जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इसी श्रृंखला में 04 जुलाई, 2026 को पैक्स रोहतक के सर्कल सेल प्वाइंट, गाँव बालंद में एक पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीमती सरिता राठी, उप रजिस्ट्रार, सहकारी समितियाँ, रोहतक के मुख्य आतिथ्य तथा श्री नरेन्द्र शर्मा, सहायक रजिस्ट्रार, सहकारी समितियाँ, रोहतक की अध्यक्षता में हुआ। कार्यक्रम का सफल संचालन श्रीमती अर्चना देवी, शिक्षा अनुदेशक हरकोफैड, पंचकूला द्वारा किया गया।

इस अवसर पर छायादार, फलदार, फूलदार तथा औषधीय प्रजातियों के 20 पौधों का रोपण किया गया। यह पहल केवल वृक्षारोपण तक सीमित नहीं रही, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक उत्तरदायित्व और सामुदायिक सहभागिता के प्रति जन–जागरूकता का सशक्त संदेश भी बनी।

अपने संबोधन में श्री नरेन्द्र शर्मा ने कहा कि वर्तमान समय में स्वच्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण का संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने वृक्षों को मानव जीवन की ''प्राणवायु'' बताते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनका संरक्षण करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज लगाया गया प्रत्येक पौधा आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य की अमूल्य धरोहर है।

मुख्य अतिथि श्रीमती सरिता राठी ने अपने उद्‌बोधन में युवाओं के आर्थिक सशक्तिकरण में सहकारिता की महत्त्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सहकारी समितियों के माध्यम से स्वरोजगार और लघु उद्यमों को बढ़ावा देकर बेरोजगारी की चुनौती का प्रभावी समाधान किया जा सकता है। साथ ही उन्होंने जलवायु परिवर्तन की गंभीरता पर चिंता व्यक्त करते हुए किसानों से कम जल–खपत वाली फसलों को अपनाने, जल संरक्षण को प्राथमिकता देने तथा जैविक खेती को प्रोत्साहित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ कृषि ही आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का आधार हैं।

कार्यक्रम में उपस्थित कर्मचारियों, सहकारी समिति के सदस्यों तथा ग्रामवासियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए पौधारोपण किया और पौधों के संरक्षण का संकल्प लिया। यह आयोजन सहकारिता के उस मूल दर्शन को साकार करता है, जिसमें सामूहिक प्रयासों के माध्यम से समाज, पर्यावरण और राष्ट्र के सतत विकास का मार्ग प्रशस्त होता है।

''सहकारिता केवल आर्थिक प्रगति का माध्यम नहीं, बल्कि प्रकृति, समाज और आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी सामूहिक जिम्मेदारी का सशक्त प्रतीक है। आइए, प्रत्येक नागरिक एक पौधा लगाए, उसका संरक्षण करे और 'सहकार से समृद्धि' के साथ 'हरित भारत–समृद्ध भारत' के संकल्प को साकार बनाए।''

सहकारिता सप्ताह के अंतर्गत हरकोफैड द्वारा विद्यार्थी चेतना कार्यक्रम का आयोजन

भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय की स्थापना के पाँच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में दिनांक 29 जून से 06 जुलाई, 2026 तक पूरे देश में सहकारिता सप्ताह का आयोजन किया गया। ''सहकार से समृद्धि'' के राष्ट्रीय संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से इस अवधि में सहकारी बैंकों, प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (PACS), सहकारी संघों एवं विभिन्न सहकारी संस्थाओं द्वारा जन–जागरूकता एवं प्रशिक्षण संबंधी विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। सप्ताह का समापन 06 जुलाई, 2026 को सहकारिता मंत्रालय के स्थापना दिवस के अवसर पर भव्य समारोहों के साथ हुआ।

इसी क्रम में 03 जुलाई, 2026 को प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया (PM SHRI), राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, मॉडल टाउन, रोहतक में विद्यार्थी चेतना कार्यक्रम का आयोजन हरियाणा राज्य सहकारी विकास प्रसंघ लिमिटेड (हरकोफैड), पंचकूला द्वारा श्री नरेन्द्र शर्मा, सहायक रजिस्ट्रार, सहकारी समितियाँ, रोहतक की अध्यक्षता में किया गया।

कार्यक्रम में हरकोफैड की शिक्षा अनुदेशक श्रीमती अर्चना देवी ने लगभग 115 छात्राओं को सहकारिता की अवधारणा, उसके सिद्धांतों एवं दैनिक जीवन में उसके व्यावहारिक महत्व से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि हरकोफैड प्रदेशभर में विभिन्न जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से सहकारिता आंदोलन को सशक्त बनाने का कार्य कर रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों को सामूहिक खरीद, बचत की आदत, संसाधनों के उचित उपयोग तथा भविष्य में रोजगार प्राप्त करने के बजाय रोजगार सृजित करने की प्रेरणा दी। साथ ही स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति भी विद्यार्थियों को जागरूक किया।

कार्यक्रम में श्री अनील, निरीक्षक, सहायक रजिस्ट्रार सहकारी समितियाँ, रोहतक ने नई सहकारी समितियों के गठन की प्रक्रिया की जानकारी दी तथा वीटा एवं अमूल जैसे सफल सहकारी मॉडलों के माध्यम से सहकारिता की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर लगभग 100 विद्यार्थियों को श्रीमती बबीता, निरीक्षक, सांपला एवं श्री अनील के करकमलों द्वारा रजिस्टर वितरित किए गए तथा मिठाइयाँ भी प्रदान की गईं।

कार्यक्रम में सहायक रजिस्ट्रार सहकारी समितियाँ, रोहतक कार्यालय के निरीक्षकों, अवर निरीक्षकों एवं अन्य अधिकारियों–कर्मचारियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती मीता ने हरकोफैड द्वारा आयोजित इस जागरूकता कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में सहयोग, अनुशासन, सामाजिक उत्तरदायित्व तथा राष्ट्र निर्माण की भावना विकसित करने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

यह कार्यक्रम विद्यार्थियों में सहकारिता के मूल्यों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने तथा भविष्य की पीढ़ी को सहयोग, आत्मनिर्भरता एवं सामूहिक विकास के मार्ग पर अग्रसर करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ।

किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम

दाऊ (फतेहाबाद), 13 जुलाई 2026 :– हरियाणा राज्य सहकारी विकास प्रसंघ लिमिटेड (हरकोफैड), पंचकूला के तत्वावधान में सोमवार को दाऊ (फतेहाबाद) में किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को कृषि, पशुपालन, सहकारिता एवं अन्य विभागों द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें आधुनिक तकनीकों एवं सहकारी व्यवस्था से जोड़ना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ शिक्षा अनुदेशक श्रीमती रजनी कपूर द्वारा मुख्य अतिथियों, विभागीय अधिकारियों, प्रगतिशील किसानों एवं किसान सहकार बंधुओं के स्वागत एवं अभिनंदन के साथ हुआ। उन्होंने सभी अतिथियों का कार्यक्रम में पधारने पर हार्दिक स्वागत करते हुए किसान हित में उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में कृषि विभाग के बीएओ, पशुपालन विभाग से श्री सुभाष चंद्र (वीएलडीए), सचिवालय से श्री आजाद सिंह (बीएओ), पटवारी श्री सुभाष, सहकारी बैंक से श्री कृष्ण एवं श्री जितेंद्र, कृषि विभाग से डॉ. राजेंद्र कुमार, पैक्स प्रतिनिधि श्री मनोज कुमार, प्रगतिशील किसान तथा डीएसटी सहित अनेक गणमान्य अतिथियों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई।

कार्यक्रम के दौरान सभी विशेषज्ञ वक्ताओं ने अपने–अपने विभागों द्वारा संचालित योजनाओं, अनुदान, आधुनिक कृषि तकनीकों, पशुपालन, सहकारी ऋण सुविधाओं तथा किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने किसानों को वैज्ञानिक खेती अपनाने, प्राकृतिक संसाधनों का संतुलित उपयोग करने तथा सरकार एवं सहकारिता विभाग की योजनाओं का अधिकतम लाभ लेकर अपनी आय में वृद्धि करने के लिए प्रेरित किया।

वक्ताओं ने कहा कि सहकारिता केवल एक व्यवस्था नहीं, बल्कि किसानों की आर्थिक उन्नति, आत्मनिर्भरता और ग्रामीण विकास का सशक्त माध्यम है। उन्होंने किसानों से सहकारी संस्थाओं के माध्यम से संगठित होकर विकास की मुख्यधारा से जुड़ने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर शिक्षा अनुदेशक श्रीमती रजनी कपूर ने सभी अतिथियों, अधिकारियों, प्रगतिशील किसानों एवं उपस्थित किसान सहकार बंधुओं का हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम किसानों को नवीन तकनीकों एवं सरकारी योजनाओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा कृषि क्षेत्र को अधिक समृद्ध, आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने में सहायक सिद्ध होंगे।

किसान जागरूकता शिविर

15 जुलाई 2026 को गांव दरयापुर, पानीपत में हरकोफैड द्वारा किसान जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया इस शिविर में 50 पुरुष किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान श्री प्रवेश कुमार, शिक्षा अनुदेशक हरकोफैड ने किसानों को सहकारिता के महत्व की विस्तृत जानकारी दी और यह समझाया कि सहकारी संस्थाओं से जुड़कर किसान भाई अपनी आमदनी किस प्रकार बढ़ा सकते हैं। उन्होंने किसानों को सहकारी क्षेत्र से जुड़ने के लिए प्रेरित करते हुए आत्मनिर्भरता और सामूहिक प्रगति का संदेश दिया।

इसी क्रम में डॉ. राजेंद्र सिंह ने प्रतिभागियों को पशुपालन के माध्यम से आय बढ़ाने के व्यावहारिक और उपयोगी गुर बताए। उन्होंने पशुपालन में नस्लों के चयन, नस्ल सुधार कार्यक्रम, नवजात पशुओं की देखभाल, खीस पिलाने के महत्व, संतुलित आहार तैयार करने और उसे सही ढंग से खिलाने, आरामदायक पशु आवास व्यवस्था, मौसम के अनुसार प्रबंधन तथा बीमारियों से बचाव के लिए टीकाकरण की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। इसके साथ ही उन्होंने पशुओं के लिए स्वच्छ पानी और खनिज मिश्रण के महत्व को भी रेखांकित किया।

डॉ. राजेंद्र सिंह ने किसानों को यह भी बताया कि गौ माता का प्राकृतिक खेती में विशेष महत्व है, क्योंकि इसका गोबर और गोमूत्र खेती की लागत कम करने के साथ–साथ उत्पादन और आमदनी बढ़ाने में सहायक होते हैं। उन्होंने किसानों को मिट्टी की जांच कराने, फसल अवशेष न जलाने और सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाने के लिए भी प्रेरित किया।

इस अवसर पर गांव उरलाना के पैक्स मैनेजर श्री सुल्तान सिंह देशवाल ने विशेष सहयोग प्रदान किया और डॉ. जोरा सिंह मलिक ने प्राकृतिक खेती के साथ–साथ आधुनिक खेती के अपने अनुभव साझा कर किसानों को नई दिशा दी। कार्यक्रम ने किसानों में जागरूकता, आत्मविश्वास और उन्नत कृषि पद्धतियों के प्रति नई ऊर्जा का संचार किया।

हरकोफैड, पंचकूला द्वारा आयोजित किसान गोष्ठी में सहकारिता को सशक्त बनाने पर बल, किसानों को दी योजनाओं की विस्तृत जानकारी

नूंह, 8 जुलाई। हरियाणा राज्य सहकारी विकास प्रसंघ लिमिटेड (हरकोफैड), पंचकूला के तत्वावधान में जिला नूंह के गांव कलवारी, तावडू में किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को सहकारिता आंदोलन, मुख्यमंत्री पैक्स (CM PACS), वित्तीय सशक्तिकरण तथा विभिन्न सरकारी एवं सहकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान कर उन्हें सहकारी गतिविधियों से जोड़ना था। गोष्ठी में 150 से अधिक किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सहकारी बैंक के चेयरमैन श्री नरेंद्र भारद्वाज ने शिरकत की। कार्यक्रम का शुभारंभ हरकोफैड पंचकूला के सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी श्री सत्यनारायण यादव द्वारा मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। उन्होंने सहकारिता के सिद्धांतों एवं सहकारी मॉडल ऑफ बिजनेस पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रत्येक गांव में एक सशक्त सीएम पैक्स (CM PACS) का गठन समय की आवश्यकता है। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे अपने गांवों में सहकारी समितियों को सुदृढ़ बनाकर खाद, बीज, कृषि आदान, हैफेड, वीटा स्टोर, कॉमन सर्विस सेंटर (CSC) तथा अन्य आवश्यक सेवाएं ग्रामीण स्तर पर उपलब्ध कराने में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि सहकारिता किसानों की आर्थिक उन्नति, रोजगार सृजन तथा ग्रामीण विकास का प्रभावी माध्यम है।

सहकारी समितियां, तावडू के निरीक्षक श्री मुकेश यादव ने किसानों को सीएम पैक्स के गठन की प्रक्रिया, उसके संचालन एवं उससे प्राप्त होने वाले लाभों की विस्तृत जानकारी दी। नाबार्ड के वित्तीय साक्षरता सलाहकार श्री पुनियपाल ने किसानों को वित्तीय प्रबंधन, सहकारी बैंकों के माध्यम से उपलब्ध ऋण सुविधाओं तथा जॉइंट लाइबिलिटी ग्रुप (JLG) एवं स्वयं सहायता समूह (SHG) के गठन के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि समूह आधारित वित्तीय व्यवस्था किसानों को आत्मनिर्भर बनाने और उनकी आय में वृद्धि करने का प्रभावी माध्यम है।

रेडियो मेवात 90.4 एफएम के प्रतिनिधि श्री इमरान ने बताया कि रेडियो मेवात किसानों, महिलाओं एवं ग्रामीण समुदाय तक सरकारी योजनाओं और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की जानकारी प्रभावी ढंग से पहुंचा रहा है। उन्होंने बताया कि सहकारी समितियों के सहयोग से शीघ्र ही एक विशेष रेडियो श्रृंखला प्रारंभ की जाएगी, जिसके माध्यम से सहकारिता की योजनाओं एवं सफल प्रयासों का व्यापक प्रचार–प्रसार किया जाएगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मुख्य अतिथि श्री नरेंद्र भारद्वाज ने कहा कि सहकारिता किसानों की आर्थिक समृद्धि और ग्रामीण विकास की मजबूत आधारशिला है। उन्होंने किसानों का आह्वान किया कि वे सहकारी संस्थाओं से जुड़कर आधुनिक कृषि तकनीकों, सुलभ ऋण सुविधाओं तथा सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि सुदृढ़ सहकारी संस्थाएं विकसित हरियाणा और विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

कार्यक्रम के अंत में किसानों ने विशेषज्ञों से संवाद कर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया तथा सहकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी हासिल की। गोष्ठी का समापन सहकारिता की भावना को जन–जन तक पहुंचाने तथा प्रत्येक गांव को सशक्त, आत्मनिर्भर एवं समृद्ध सहकारी इकाई के रूप में विकसित करने के संकल्प के साथ हुआ।

एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

2 जुलाई हरियाणा राज्य सहकारी विकास प्रसंघ लिमिटेड (हरकोफैड) के तत्वावधान में जिला सहकारी बैंक फतेहाबाद में मुख्यमंत्री आदर्श प्राथमिक कृषि सहकारी समिति (CM PACS) के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य सीएम पैक्स को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाना सदस्यों को नवीन योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराना तथा सहकारी संस्थाओं की कार्यक्षमता में वृद्धि करना था।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री चेलराम ने उपस्थित होकर सहकारिता आंदोलन को ग्रामीण विकास एवं किसानों की आर्थिक समृद्धि का सशक्त माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि सुदृढ़ एवं सक्रिय सीएम पैक्स ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। कार्यक्रम में सहकारिता विभाग के अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति भी रही।

सहकार भारती के प्रतिनिधि श्री हनुमान गोदारा ने सीएम पैक्स की आवश्यकता, उद्देश्य एवं कार्यप्रणाली पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने विभिन्न सफल उदाहरणों के माध्यम से बताया कि सीएम पैक्स किसानों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने, सामूहिक विकास को गति देने तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने का प्रभावी मंच है।

इफको के फील्ड ऑफिसर श्री संदीप श्योराण ने किसानों एवं सीएम पैक्स को इफको द्वारा उपलब्ध कराई जा रही विभिन्न सेवाओं एवं योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि इफको आधुनिक कृषि तकनीकों, गुणवत्तापूर्ण उर्वरकों तथा तकनीकी सहयोग के माध्यम से समितियों की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।

नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक (DDM) श्री कर्ण बूरा ने नाबार्ड की विभिन्न योजनाओं एवं वित्तीय सहायता संबंधी प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं का प्रभावी लाभ उठाकर सीएम पैक्स अपनी गतिविधियों का विस्तार कर सकती हैं तथा किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करा सकती हैं।

सहायक रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां कार्यालय से श्री जितेन्द्र बमी ने अधिक से अधिक सीएम पैक्स के गठन तथा विशेष रूप से महिला सीएम पैक्स की स्थापना पर बल दिया। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से सहकारी आंदोलन को नई ऊर्जा मिलेगी तथा महिला सशक्तिकरण को भी बढ़ावा मिलेगा।

हरकोफैड के सहायक सहकारी शिक्षा अधिकारी श्री ऋषिपाल ने हरकोफैड द्वारा संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों, जागरूकता अभियानों एवं सहकारी संस्थाओं के क्षमता विकास संबंधी गतिविधियों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रशिक्षण ही सशक्त सहकारिता की आधारशिला है।

कार्यक्रम के अंत में श्रीमती रजनी कपूर ने सभी मुख्य अतिथियों, विभागीय अधिकारियों, विशेषज्ञ वक्ताओं तथा सीएम पैक्स के पदाधिकारियों एवं सदस्यों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम सहकारी संस्थाओं को अधिक सक्षम, प्रभावी एवं जनहितकारी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रतिभागियों के लिए ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायी सिद्ध हुआ तथा सहकारिता के माध्यम से किसानों की समृद्धि और ग्रामीण विकास के संकल्प को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

राखी

भाई बहन के अटूट रिश्ते का सौगात है राखी,
बचपन की यादों का विश्वास है राखी,
प्यार और मीठी शरारतों की बहार है राखी,
कच्चे धागों से बनी पक्के रिश्ते का आधार है राखी,
बहुत ही पावन, अद्‌भुत एहसास है राखी।

भाई की रक्षा का प्रतीक है राखी,
बहन की सुरक्षा का सटीक है राखी ,
शब्दों की नहीं ,दिल की बात है राखी,
दूर बैठी होती हैं बहन ,फिर भी खास है राखी,
बहुत ही पावन, अद्‌भुत एहसास है राखी।

सागर से विस्तृत रिश्तों की मर्यादा है राखी ,
समीर के संग हर भाई का उपहार है राखी,
कुछ खट्टे मीठे पलों का चित्रहार है राखी,
कुछ हंसी, कुछ खुशी का मनोहार है राखी,
बहुत ही पावन, अद्‌भुत एहसास है राखी।

प्रेम सूत्र की मधुर डोर हैं राखी ,
रोली, कुमकुम, मिष्ठान्न के संग है राखी,
अपनों के जुड़ाव का त्योहार है राखी,
रिश्तों को अपनेपन से महकाती है राखी ,
बहुत ही पावन, अद्‌भुत एहसास है राखी।

अलका की कलम से बहुत कुछ कह रही है राखी,
कच्चे डोर का पक्का अनुबंध है राखी
स्नेह के अनसुने सुरीले का साज है राखी,
अटल, दृढ़ विश्वास का प्रतीक है राखी ,
सचमुच बहुत खास है राखी ,
दिल के बहुत पास है राखी।
बहुत ही पावन, अद्‌भुत एहसास है राखी।

-अलका शर्मा, आनन्द

तीज : संस्कृति, सहकार और हरियाली का अमर उत्सव

"संस्कृति किसी राष्ट्र की आत्मा होती है, और सहकारिता उसकी सामूहिक शक्ति। जब दोनों का संगम होता है, तब समृद्धि का स्वर्णिम अध्याय लिखा जाता है।"

भारत की सांस्कृतिक विरासत अनादि काल से विविधता में एकता, पारस्परिक सहयोग और मानवीय मूल्यों की वाहक रही है। हमारे पर्व केवल उत्सव नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने, परंपराओं को संजोने और जीवन को सकारात्मक दिशा देने का माध्यम हैं। इन्हीं लोकपर्वों में हरियाली तीज का विशिष्ट स्थान है। यह पर्व प्रकृति की हरित आभा, नारी शक्ति की गरिमा, पारिवारिक सौहार्द और सामूहिक जीवन–मूल्यों का अनुपम उत्सव है।

श्रावण की रिमझिम फुहारों के साथ जब धरती हरियाली का अनुपम श्रृंगार धारण करती है, तब तीज का उल्लास जन–जन के मन में नवचेतना का संचार करता है। झूलों की मधुर झंकार, लोकगीतों की स्वर–लहरियाँ, मेहंदी की सुगंध और पारंपरिक लोक–संस्कृति का सौंदर्य भारतीय जीवन–दर्शन की समृद्धता को जीवंत कर देता है।

"हरियाली केवल प्रकृति का श्रृंगार नहीं, बल्कि आशा, समृद्धि और नवजीवन का शाश्वत प्रतीक है।"

तीज का आध्यात्मिक आधार भगवान शिव और माता पार्वती की दिव्यता से जुड़ा है। माता पार्वती की अटूट साधना, धैर्य और समर्पण भारतीय नारी के आत्मविश्वास, संकल्प और शक्ति का प्रेरक आदर्श है। यह पर्व हमें विश्वास दिलाता है कि धैर्य, श्रद्धा और सकारात्मक प्रयास जीवन को सफल बनाते हैं।

सहकारिता का दर्शन भी इसी जीवन–मूल्य पर आधारित है। "एक और एक ग्यारह" की भावना ही सहकारिता की आत्मा है। जब व्यक्ति, परिवार, किसान, महिलाएँ और समाज मिलकर कार्य करते हैं, तब आत्मनिर्भरता, समावेशी विकास और सामाजिक समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है। हरियाणा की सहकारी संस्थाएँ इसी भावना को साकार करते हुए किसानों, महिलाओं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में निरंतर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

तीज का पर्व हमें यह भी स्मरण कराता है कि प्रकृति और मानव का संबंध केवल उपयोग का नहीं, बल्कि संरक्षण और संवर्धन का है। हरियाली का उत्सव हमें पर्यावरण संरक्षण, जल–संरक्षण और वृक्षारोपण के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का बोध कराता है। आज जब सतत विकास वैश्विक आवश्यकता बन चुका है, तब तीज का संदेश और भी अधिक प्रासंगिक हो जाता है।

"जिस समाज की जड़ें अपनी संस्कृति में गहरी होती हैं, उसकी प्रगति की शाखाएँ सदैव आकाश को स्पर्श करती हैं।"

आज आवश्यकता है कि हम अपनी सांस्कृतिक धरोहर को नई पीढ़ी तक पहुँचाते हुए सहकारिता, सामाजिक समरसता, महिला सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण को जन–आंदोलन का स्वरूप दें। यही भारत की विकास यात्रा का सशक्त आधार है।

आइए, हरियाली तीज के इस मंगलमय अवसर पर हम सहयोग, सद्भाव, सेवा और समर्पण की भावना को अपने जीवन का मूल मंत्र बनाएँ तथा एक समृद्ध, आत्मनिर्भर और संस्कारित समाज के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाएँ।

"हरियाली प्रकृति की मुस्कान है, संस्कृति राष्ट्र की पहचान है और सहकारिता समृद्धि की सबसे मजबूत नींव है।"जहाँ सहयोग का भाव होता है, वहाँ समृद्धि का प्रवाह स्वयं मार्ग खोज लेता है।"तीज हमें सिखाती है कि प्रेम से परिवार, सहयोग से समाज और संस्कारों से राष्ट्र महान बनता है।"सहकारिता केवल व्यवस्था नहीं, बल्कि 'मैं' से 'हम' की यात्रा का सशक्त दर्शन है।

तीज का संदेश है

प्रकृति से प्रेम, संस्कृति पर गर्व और सहकारिता के माध्यम से समृद्धि की ओर निरंतर अग्रसर भारत।"

1
नंबर
हरियाणा की
एक नंबर की पैक्स
पारदर्शिता • विश्वास • सहयोग
PACS
हमारा लक्ष्य, किसानों का विकास
बेहतरीन सेवाएं देने के लिए सदैव तैयार
PACS
माढ़ा
दि माढ़ा प्राथमिक कृषि सहकारी समिति लि.
मांढ़ा (पैक्स)
हमारी सेवाएं
किसानों की सम्पूर्ण सेवा
उत्तम बीज एवं खाद की उपलब्धता
पारदर्शी प्रणाली विश्वास की गारंटी
सहकारिता से समृद्धि की ओर
किसान खुशहाल – सहकारिता मजबूत – विकास हमारा संकल्प
कृषि ऋण एवं अल्पकालीन ऋण सुविधा
उच्च गुणवता वाले उर्वरक एवं बीज
प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र
किसानों को जागरूकता एवं प्रशिक्षण
सरकारी योजनाओं की पूर्ण जानकारी एवं लाभ
तेज, सरल एवं पारदर्शी सेवाएं
चेयरमैन अमरीक सिंह पाली
आपका विश्वास ही हमारी ताकत है।
साथ मिलकर बनाएं समृद्ध और विकसित गांव।
हमारा वचन – हर किसान तक, हर सेवा ईमानदारी से!
दि माढ़ा प्राथमिक कृषि सहकारी समिति लि., माढ़ा (पैक्स)
आपका अपना सहकारी बैंक – आपकी सेवा में हमेशा तत्पर

NANO TECHNOLOGY
NANO UREA & DAP
SAHKAR SE SAMRIDDHI
Aatmanirabhar Bharat, Aatmanirbhar Krishi
IFFCO
पूर्णतः सहकारी स्वामित्व
Wholly owned by Cooperatives
IFFCO NANO UREA Plus
and
IFFCO NANO DAP
Promises
More Yield And More Profit
World's First Nano Fertilizer by IFFCO
500 ML Bottle ₹225/- only
500 ML Bottle ₹600/- only
Contains 20% NITROGEN
FREE ACCIDENT INSURANCE
IFFCO Nano UREA Plus Liquid
NANO UREA PLUS
NANO UREA LIQUID (16%N w/w) (20%N w/v)
Chlorophyll Charger
Yield Booster
Climate Smart Farming
NANO DAP
Nano Di Ammonium Phosphate
LIQUID (8:16:0)
CROP NUTRITION REDEFINED
Seed Primer | Growth Enhancer | Yield Booster
Less Cost, More Profits
IFFCO Nano DAP Liquid
INDIAN FARMERS FERTILISER COOPERATIVE LIMITED
IFFCO Sadan, C-1 District Centre, Saket Place, New Delhi - 110017, INDIA
Phones: 91-11-26510001, 91-11-42592626. Website: www.iffco.coop

सहकारिता विभाग, हरियाणा

हरियाणा सरकार

(हरकोफैड)

हरियाणा राज्य सहकारी विकास प्रसंघ लि०, पंचकुला

द्वारा

सहकारिता जागरूकता अभियान

वित्तीय वर्ष 2026-2027

राज्य के प्रत्येक जिले में

जिला स्तरीय सहकारिता विचार गोष्ठी

का आयोजन किया जा रहा है

श्री पंकज यादव, भा.प्र.से.
प्रधान सचिव
सहकारिता विभाग, हरियाणा

डॉ. सुभिता ढ़ाका, भा.प्र.से.
रजिस्ट्रार सहकारी समितियां
हरियाणा

श्री नरेश गोयल
प्रबंध निदेशक, हरकोफैड

अभियान से जुड़ने के लिए सम्पर्क करें - सौरव अत्री, प्रचार अधिकारी 6280460371

सहकार से समृद्धि

HAFED DAIRYFED SUGARFED HARCO BANK HSCARDB HARCOFED LABOURFED HOUSEFED

समृद्धि से आत्मनिर्भरता

HARCOFED

Bays No. 49-52, Sector - 2, Panchkula https://harcofed.haryana.gov.in/ harcofed@ymail.com

हरियाणा राज्य सहकारी विकास फैडरेशन की ओर से सौरव शर्मा संपादक द्वारा हरियाणा सहकारी प्रेस 165–166, इंडस्ट्रियल एरिया, फेस–1, चण्डीगढ़ से मुद्रित व प्रकाशित तथा कार्यालय बेज नं. 49–52, प्रथम तल, सेक्टर–2, पंचकूला ।
दूरभाष : 0172–2560340, 2560332 हरकोप्रैस : 0172–2637264